तापमान

अधिकतम 40.0 डिग्री
न्यूनतम 28.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार 24 मई 2026

10 इंडस ग्लोबल अकादमी किनाना में नवगठित...

10 नायब सरकार आमजन के कल्याण की सरकारः मिड्ढा

खबर संक्षेप

जहरीला पदार्थ निगलने से युवक की मौत

जींद। गांव जीतगढ़ में शुक्रवार रात को 40 वर्षीय प्रवीण ने जहरीला पदार्थ निगल लिया। परिजन उसे नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे। उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। युवक डेढ़ वर्षीय और दस वर्षीय बच्चे का पिता था। जांच अधिकारी एएसआई राजेंद्र सिंह ने बताया कि इत्तफाकिया कार्रवाई कर शव का अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया है।

फायरिंग कर जानलेवा हमला करने पर केस

जींद। गांव दुड़ाना में जमीन विवाद के चलते रंजिशन फायरिंग करने पर अलेवा थाना पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ जानलेवा हमला करने, शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव दुड़ाना निवासी जसविंद्र कौर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका कुलदीप परिवार से जमीन को लेकर विवाद चला आ रहा है। गत 11 मई को दोनों पक्षों में खेत में कहासुनी हो गई। जिस पर कुलदीप ने अपने पास मौजूद बंदूक से फायर कर दिया। जिसमें उसकी पति बलजीत गोली लगने से बाल-बाल बच गया।

वाहन चोर के पास से 7 मोटरसाइकिल बरामद

कैथल। थाना सिविल लाइन क्षेत्र से बाइक चोरी करने के मामले की जांच एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टॉफ प्रभारी एसआई मुकेश कुमार की अगुवाई में एएसआई ईशम सिंह की टीम द्वारा करते आरोपी गांव पोलड़ निवासी सहजप्रीत सिंह को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव तितरम निवासी शमशेर सिंह की शिकायत अनुसार 15 मई को करनाल रोड़ कैथल से अज्ञात बाइक चोरी कर ले गया। जिस बारे थाना सिविल लाइन में मामला दर्ज कर लिया गया। व्यापक पूछताछ दौरान आरोपी के कब्जे से उक्त चोरीशुदा बाइक बरामद करने के अतिरिक्त कुल 7 चोरी की बाइक बरामद की गई है।

बैंक में गिरवी रखे सोने को छुड़वाने के बहाने ठगी

जींद। बैंक में गिरवी रखने सोने को छुड़वाने का झांसा देकर व्यक्ति ढाई लाख लेकर फरार हो गया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सफीदों शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में शैंकी ने बताया कि वह मां के नाम से भवानी गोल्ड ट्रेडर्स के नाम से फर्म चलाता है। वह लोगों के बैंक में गिरवी रखे सोने को छुड़वा कर उनको लोन देता है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एड की हुई थी। इसको देख कर सिल्लाखेड़ी निवासी विनोद का उनके पास फोन आया था।

जहर के सेवन से स्वीपर की मौत

जींद। राजकीय सीनियर सैकेंडरी स्कूल के स्वीपर ने संदिग्ध हालात में स्कूल में जहरीला पदार्थ निगलने से मौत हो गई। परिजनों ने मृतक को मानसिक रूप से बीमारी के चलते परेशान बताया है। शहर थाना पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। चाबरी कालोनी निवासी राजबीर (50) राजकीय सीनियर सैकेंडरी स्कूल में स्वीपर के पर डयूटीरत था। शनिवार को ड्यूटी पर पहुचा। जहां पर जहरीला पदार्थ निगल लिया। परिजनों ने नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

ग्रीष्मकालीन अवकाश पर खिले छात्रों के चेहरे

राजौंद। गांव किठाना स्थित न्यू टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 25 मई से 30 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया गया है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक हरपाल सिंह ढांडा व प्रधानाचार्य अरविंद शास्त्री ने विद्यार्थियों को अवकाश के दौरान स्वास्थ्य व सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी। कहा कि भीषण गर्मी के चलते विद्यार्थी अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें साथ ही विद्यार्थियों को निर्देश दिए गए कि वे अपना गृह कार्य और एक्टिविटी वर्क समय पर एवं अच्छे ढंग से पूरा करें।

कभी टॉपर रहे जींद में आज 872 लिंगानुपात, 35 गांवों में तो 500 से भी कम

स्वास्थ्य विभाग ने कसी कमर, सरपचों को रिकॉर्ड बनाने के निर्देश, चलाए जा रहे जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

स्वास्थ्य विभाग के आंकडों के अनुसार अप्रैल में हरियाणा प्रदेश का लिंगानुपात 898 रहा है। इसके साथ ही जींद जिले का लिंगानुपात 872 रहा है। लिंगानुपात के मामले में जींद जिला 2022 से लेकर 2023 तक पूरे प्रदेश में पहले स्थान पर रहा था। 2023 में जिले का लिंगानुपात 986 था, जो हरियाणा के 916 औसतन अनुपात से बहुत ज्यादा था। इसके बाद जिले में लिंगानुपात कम होता गया। अप्रैल 2026 में जिले का लिंगानुपात कम होकर 872 तक आ गया। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग ने कमर कस ली है। जिले के सभी ऐसे लोगों जो विवाह करवाते हैं। उनको पत्र लिखकर वर.वधु को कन्या भ्रूणहत्या रोकने व लिंग जांच नहीं करवाने की शपथ दिलाने को कहा है। इसके अलावा सभी सरपंचों को भी गांव में नजर बनाए रखने व सभी गर्भवती महिलाओं का रिकार्ड रखने के निर्देश दिए हैं। जिले के 35 गांव ऐसे हैं जिनका लिंगानुपात 500 से भी कम है। इससे साफ है कि इन गांवों में लड़कियों के मुकाबले जन्म लेने वाले लड़कों की संख्या दोगुने से भी ज्यादा रही। इनमें बागडू खुर्द गांव में नौ लड़कों पर एक लड़की ने जन्म लिया। ईंटल खुर्द में सात पर एक, कर्मगढ़ में चार पर एक, पालवां व सिवाहा में 11 लड़कों पर तीन लड़कियों ने जन्म लिया है। ऐसे में 35 गांव हैं, जहां पर लड़कों की संख्या लड़कियों के दोगुने से भी ज्यादा रही है। जींद जिले में छह गांव ऐसे हैं, जहां अप्रैल महीने में एक भी लड़की ने जन्म नहीं लिया है। जिले के रामपुरा, कारखाना, रामराये खेड़ा, खेड़ी जाजवान, तेली खेड़ा व रजाना खुर्द में अप्रैल महीने में एक भी लड़की ने जन्म नहीं लिया। इन छह गांवों में रामपुरा में चार, कारखाना में एक, रामराय खेड़ा में एक, खेड़ी जाजवान में एक, तेली खेड़ा में दो व रजाना खुर्द में एक लड़के ने जन्म लिया है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग ने जिले के 147 गांवों का लिंगानुपात 900 से कम आने पर सरपंचों समेत उन प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारियों को नोटिस जारी किए हैं। जिनके अंतर्गत यह गांव आते हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों से इस बारे में जवाब मांगा गया है। जिले में 306 गांव हैं। इनमें से 147 गांव ऐसे हैं, जिनका लिंगानुपात 900 से कम है। ऐसे में इन सभी गांवों के सरपंचों को नोटिस जारी किए गए हैं। इसके अलावा जिन सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के तहत यह गांव आते हैं, उनके सीनियर मेडिकल आफिसर को भी नोटिस जारी किए गए हैं। इस पत्र में साफ कहा गया है कि जनवरी से अप्रैल तक आपके अधीन आने वाले गांवों का लिंगानुपात 900 से कम है। नोटिस में लिंगानुपात कम होने का कारण बताने, एएनएम व आशा वर्कर्स से इसका जवाब लेकर टिप्पणी सहित सिविल सर्जन कार्यालय को भिजवाया जाए। इसके अलावा गांवों में लिंगानुपात सुधार के लिए लोगों को जागरूक करें। इसके तहत मीटिंग व अन्य गतिविधियां करवाई जा सकती हैं।

एएनएम व आशा वर्कर्स से जवाब-तलबी

नागरिक अस्पताल के डिप्टी सीएमओ डा. पालेराम कटारिया ने बताया कि पीएनडीटी एक्ट के तहत पर समय.समय पर सूचनाएं एकत्रित की जाती हैं। ग्राम पंचायतों व खाप पंचायतों से भी सहयोग लिया जा रहा है। अप्रैल 2026 में जिले का लिंगानुपात कम रहा है। इसको सुधारने के प्रयास किए गए हैं। बाकायदा सभी सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। एएनएम व आशा वर्कर से भी इस बारे में जवाब मांगे गए हैं।

मौसम में आद्रता 21% तथा हवा की गति 21 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की

आकाश में जमा धूल के साथ छाए बादल, तापमान लुढ़का

दो दिन तक धूल भरी हवा चलने तथा बादलवाई बने रहने की संभावना

अधिकतम तापमान में एक डिग्री की गिरावट दर्ज की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते शनिवार को दिनभर धूल भरा मौसम रहा। आकाश में हलकी जमा धूल के साथ बादल भी छाए रहे। जिससे दिनभर धूल भरी हवा बहती रही। शनिवार को अधिकतम तापमान में एक डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 40 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 28 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आद्रता 21 प्रतिशत तथा हवा की गति 21 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दो दिन तक मौसम में उतार-चढाव बना रहेगा। धूल भरी हवा चलने के साथ कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी की संभावना बनी हुई है। जिसके चलते तापमान में भी दो डिग्री तक की गिरावट आएगी। शनिवार को उमस भरी गर्मी और तपिश से आमजन पूरी तरह से परेशान रहा। गर्म हवा चलने के कारण लोगों को गर्मी ज्यादा महसूस और उमस ने पसीने सूखने नही दिए। वहीं गर्म हवाओं की चपेट में आने से छोटे बच्चे तथा वृद्ध बीमार पड़ रहे हैं। जिससे अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ी है। नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने कहा कि गर्मी का अधिकतर शिकार वृद्ध तथा छोटे बच्चे होते हैं। इसलिए परिजनों को इनका विशेष ख्याल रखना चाहिए। उन्होंने लोगों को सुझाव देते कहा कि गर्मी से बचने के लिए लोगों को भरपूर मात्रा में पानी का सेवन करना चाहिए। छोटे बच्चों को उल्टी या दस्त लगने पर तुरंत चिकित्सक को दिखाएं।

जींद। दोपहर के समच कच्चे रास्ते से उड़ती धूल। *फोटो :हरिभूमि*

पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से बदलाव

पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते शनिवार को दिन का आगाज साफ मौसम के साथ हुआ। दिन चढ़ने के साथ गर्मी भी बढने लगी। दोपहर को आकाश में जमा धूल के साथ बादल भी छा गए। जिससे तापमान एक डिग्री लुढ़क कर 40 डिग्री पर आ गया। हवा भी ज्यादा गर्म नही रही। हालांकि हवा की गति 21 किलोमीटर प्रति घंटा रही लेकिन गरम नही थी। जिससे आमजन को कुछ राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिन तक मौसम में उतार चढाव बना रहेगा। धूल भरी हवा चलने के बूंदाबांदी की संभावना बनी हुई है। तापमान में भी गिरावट आएगी। जिससे गर्मी से कुछ राहत मिलेगी। मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से मौसम में बदलाव आया है। दो दिन तक धूल भरी हवा चलने तथा बादलवाई बने रहने की संभावना है। कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी भी हो सकती है। जिससे तापमान में भी गिरावट आएगी।

बिजली कट से लोग बेहाल

राजौंद। राजौंद क्षेत्र सहित आसपास के गांवों में रात के समय लग रहे बिजली अघोषित कटों से आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के बीच घंटों तक बिजली गुल रहने से लोगों की नींद खराब हो रही है और बच्चों, बुजुर्गों व मरीजों को सबसे ज्यादा दिक्कत झेलनी पड़ रही है।स्थानीय लोगों का कहना है कि कई दिनों से रात होते ही बिजली की आंख-मिचौली शुरू हो जाती है। कभी आधा तो कभी दो-दो घंटे तक बिजली बंद रहती है। इससे घरों में लगे पंखे, कूलर और अन्य उपकरण बंद हो जाते हैं, जिससे गर्मी के लोगों का हाल बेहाल हो जाता है।

प्रदर्शन का ऐलान

नागरिकों ने बताया कि दिनभर की मेहनत के बाद लोग रात को आराम करना चाहते हैं, लेकिन बार-बार बिजली जाने से नींद पूरी नहीं हो पाती। इसके अलावा छोटे बच्चों और बुजुर्गों की हालत ज्यादा खराब हो रही है। कई लोगों ने बताया कि बिजली निगम को पहले से सूचना देकर कट लगाने चाहिए ताकि लोग व्यवस्था कर सकें। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि रात के समय होने वाले अनियोजित कटों पर रोक लगाई जाए और बिजली व्यवस्था को सुचारु बनाया जाए। है कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो मजबूर होकर प्रदर्शन करना पड़ेगा।

जींद। पुलिस गिरफ्त में नशा तस्कर। *फोटो :हरिभूमि*

कैंटर से एक किलो अफीम व तीस किलो चूरापोस्त बरामद

पंजाब ले जाई जा रही थी नशे की खेप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सीआईए स्टाफ नरवाना ने गांव बेलरखां के निकट नरवाना-पटियाला नेशनल हाइवे पर कैंटर से एक किलोग्राम अफीम तथा 30 किलोग्राम चूरा पोस्त बरामद किया है। अफीम तथा चूरा पोस्त को चावल बैगों की आड़ में तस्करी कर पंजाब ले जाया जा रहा था। सदर थाना नरवाना पुलिस कैंटर सवार दोनों तस्करों से पूछताछ कर रही है। सीआईए स्टाफ को सूचना मिली थी कि नरवाना-पटियाला नेशनल हाइवे से कैंटर में चावल बैग लोड कर उसमें नशीले पदार्थों छुपा कर पंजाब की तरफ ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर सीआईए स्टाफ ने गांव बेलरखां के निकट एक ढाबे के सामने नाकाबंदी कर नजर रखनी शुरू कर दी। कुछ समय के बाद पंजाब नंबर का कैंटर नरवाना की तरफ आया। पुलिस कर्मियों ने कैंटर को रोक कर तलाशी ली तो चावल बैगों के बीच छुपा कर रखा गया 30 किलोग्राम चूरा पोस्त तथा एक किलोग्राम अफीम बरामद हुई। कैंटर में 385 बैग चावल लोड थे। पुलिस पूछताछ में कैंटर सवार लोगों की पहचान रणजीत सिंह नगर बरनाला निवासी आकाशदीप उर्फ दीपू तथा गांव सोहनेवाला जिला लुधियाना निवासी परमिंद्र के रूप में हुई। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि अफीम तथा चूरा पोस्त को चावल बैगों की आड़ में राजस्थान से तस्करी कर पंजाब के बरनाला ले जाया जा रहा था। सदर थाना नरवाना पुलिस ने आकाशदीप तथा परमिंदर के खिलाफ नशीले पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। सीआईए स्टाफ नरवाना प्रभारी सुखदेव सिंह ने बताया कि की नशे की खेप को चावल बैगों की आड़ में तस्करी कर पंजाब के बरनाला ले जाया जा रहा था। दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है।

वाशिंग पाउडर बेचने आए दो युवक बुजुर्ग महिला की आंखों में मिर्ची डालकर ले उड़े सोने की बाली

■ छीना झपटी के दौरान महिला का कान फटा, ममला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सफीदों के वार्ड नंबर छह में शनिवार दोपहर को वाशिंग पाउडर बेचने आए दो युवकों ने बुजुर्ग महिला के कानों से दो सोने की बाली छीन ली। वारदात से पूर्व आरोपितों ने महिला के आंखों में मिर्ची पाउडर फैंक दिया। महिला को नागरिक अस्पताल सफीदों मे ले जाया गया। शहर थाना सफीदों पुलिस मामले की जांच कर रही है। सफीदों के वार्ड नंबर छह निवासी कृष्णा (75) शनिवार दोपहर को अपने मकान के बरामदे में चारपाई पर बैठी काम कर रही थी। उसी दौरान दौरान वाशिंग पाउडर बेचने के बहाने दो युवक घर में घुस आए। दोनों युवक कृष्णा को वाशिंग पाउडर खरीदने के लिए दबाव डालने लगे। उसी दौरान एक युवक ने मिर्ची पाउडर निकाल कृष्णा देवी की आंखों में फैंक दिया। फिर दोनों युवकों ने महिला का दबोच कर उसके कानों से सोने की बालियां निकाल ली। छीना झपटी में महिला के कान भी फट गए। वारदात को अंजाम देर दोनों आरोपित फरार हो गए। कृष्णा द्वारा शोर मचाए जाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और घटना की सूचना पुलिस को दी। बुजुर्ग महिला को परिजनों ने उपचार के लिए नागरिक अस्पातल पहुंचाया। सूचना पाकर शहर थाना सफीदों पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया। बाद में पुलिस ने संदिग्ध युवकों को लेकर सर्च अभियान भी चलाया लेकिन उनका कोई सुराग नही लगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

1575 प्रतिबंधित नशीली गोलियां बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

एंटी नारकोटिक सैल द्वारा अलग अलग 2 मामलो में नशीली टेबलेट का धंधा करने वाले दो आरोपियों को काबू किया गया। जिनके कब्जे से 1575 प्रतिबंधित नशीली गोलियां बरामद हुई। डीएसपी गुरविंद्र सिंह ने बताया कि पहले मामले में एंटी नारकोटिक सैल प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एएसआई रोहताश सिंह की टीम गश्त दौरान गांव लदाना चक्कू ड्रैन पर मौजूद थी। जहां पर सहयोगी सुत्रों से पुलिस को गुप्त जानकारी मिली कि लदाना चक्कू निवासी दलविंद्र सिंह अपने घर के आस पास ग्राहको को प्रतिबंधित नशीली दवाइयां बेचने का धंधा करता है। अगर तुरंत उसके घर रेड की जाए तो आरोपी को नशीली दवाइयों सहित काबू किया जा सकता है। सूचना विश्वसनीय होने के कारण पुलिस द्वारा रेडिंग पार्टी का गठन करके मुस्तैदी व तत्परता का परिचय देकर त्वरित कार्रवाई दौरान दलविंद्र सिंह के मकान पर नियमानुसार दबिश देकर संदिग्ध दलविंद्र सिंह उपरोक्त को एक पॉलिथीन सहित काबू कर लिया गया।

कैथल। एंटी नारकोटिक सैल पुलिस की गिरफ्त में नशा तस्कर।

टीम ने दिखाई तत्परता

दूसरे मामले में एंटी नारकोटिक सैल के एएसआई जसमेर सिंह की टीम को गश्त दौरान सूचना मिली कि पिलनी निवासी विनोद की बलराज नगर कैथल में दुकान है, जिसकी आड़ में वह सरकार द्वारा प्रतिबंधित नशीली दवाइयों बेचने का काम करता है। वह बाइक पर नशीली दवाइयों की सप्लाई करने के लिए बलराज नगर से प्योदा रोड चुंगी की तरफ आने वाला है। जिसे नाकाबंदी कर काबू किया जा सकता है। सूचना पर पुलिस ने नाकाबंदी की। 15-20 मिनट बाद संदिग्ध बाइक आते दिखाई दिया। पुलिस ने रुकने का इशारा करने पर चालक ने मुड़कर भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने तत्परता दिखाते पकड़ लिया।

सीडब्ल्यूसी चेयरमैन भीम सेन अग्रवाल के नेतृत्व में 78 बच्चों को मिला सुरक्षा, पुनर्वास और नया जीवन

ऑपरेशन मुस्कान से खिले मासूम चेहरों पर उम्मीद के फूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

मासूम बचपन को अंधेरों से निकालकर उजाले की राह दिखाने वाले "ऑपरेशन मुस्कान" अभियान के तहत जिला कैथल में मानवता और संवेदनशीलता की एक प्रेरणादायी मिसाल देखने को मिली। एमडीडी ऑफ इंडिया और एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की संयुक्त टीमों ने प्रभावी कार्रवाई करते 78 जरूरतमंद बच्चों को रेस्क्यू कर चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष प्रस्तुत किया। इन बच्चों में गुमशुदा, बाल श्रमिक, भीख मांगने वाले, कूड़ा बीनने वाले तथा संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चे शामिल रहे। सीडब्ल्यूसी चेयरमैन भीम सेन ने बताया कि अप्रैल 2026 की मासिक समीक्षा रिपोर्ट में कई महत्वपूर्ण मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया। कहा कि उन्हें गर्व है अपनी कैथल जिला की पुलिस पर जिन्होंने अभियान के दौरान 18 गुमशुदा बच्चों को खोजकर उनके परिजनों से मिलवाया गया, जबकि 20 बच्चों को बाल श्रम के चंगुल से मुक्त करवाया गया। इसके अतिरिक्त 22 बच्चों को भीख मांगने की विवशता से बाहर निकालकर सुरक्षित संरक्षण प्रदान किया गया तथा 8 कूड़ा बीनने वाले बच्चों के पुनर्वास की प्रक्रिया पूरी की गई। उन्होंने बताया कि एक परित्यक्त मासूम बच्ची को भी सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाते हुए विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी कैथल में शिफ्ट किया गया, ताकि उसे बेहतर भविष्य और पारिवारिक संरक्षण मिल सके। इस अभियान के दौरान हर बच्चे की काउंसलिंग, चिकित्सा जांच, सुरक्षा और पुनर्वास को प्राथमिकता दी गई। भीम सेन अग्रवाल ने कहा कि "हर बच्चा देश का भविष्य है और उसे भय, शोषण तथा असुरक्षा से मुक्त वातावरण देना समाज और प्रशासन की सांझा जिम्मेदारी है।" उन्होंने बताया कि सीडब्ल्यूसी की टीम लगातार यह सुनिश्चित कर रही है कि कोई भी बच्चा दोबारा असुरक्षित परिस्थितियों में न पहुंचे तथा उन्हें शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान के साथ समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।

कैथल। सीडब्ल्यूसी चेयरमैन भीमसेन अग्रवाल अपने सदस्यों के साथ।

सेवा का समर्पण

मानवता की मिसाल बने इस अभियान में संवेदनाओं की सरिता और सेवा का समर्पण स्पष्ट दिखाई दिया। "ऑपरेशन मुस्कान" ने न केवल बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लौटाई, बल्कि उनके जीवन में उम्मीद की नई किरण भी जगाई है।

विदेश से जानकार बता ठगे 5.85 लाख रुपये

जींद। साइबर थाना पुलिस ने विदेश से जानकार बता पांच लाख 85 हजार रुपये ठगने पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। साइबर थाना पुलिस को दी शिकायत में गांव कालवा निवासी राजेंद्र सिंह ने कहा कि वह खेतीबाड़ी का काम करता है। उसका रिश्ते में गांव का ही भाई लगने वाला प्रमोद चार साल से अमेरिका में रहता है। 30 अप्रैल को उसकी फेसबुक आइडी पर प्रमोद के नाम से मैसेज आया कि भाई मैं आपके खाते में कुछ पैसे भेज रहा हूं। कुछ देर बाद उसके मोबाइल पर प्रमोद ने नौ लाख 45 हजार 50 रुपये डालने की रसीद भेज दी। कुछ देर बाद उसके वहाट्सअप पर काल आई और कहा कि वह दिल्ली आरबीआइ से बोल रहे हैं। आपके खाते में जो पैसे आए हैं।

खबर संक्षेप

महर्षि कश्यप जयंती को लेकर बड़ौदा में मीटिंग

उचाना। 31 मई को उचाना शहर की बीसी धर्मशाला में मनाए जाने वाले महर्षि कश्यप जयंती समारोह को लेकर बड़ौदा गांव में मीटिंग हुई। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री पहुंचेंगे। सुरेंद्र बड़ौदा ने बताया कि जयंती समारोह को लेकर कश्यप समाज के लोगों में उत्साह है। हलके से लोग बढ़चढ़ कर हिस्सा लेंगे। टीम बना कर गांवों में जाकर निमंत्रण दिया जा रहा है। महर्षि कश्यप के बारे में विस्तार से समारोह से बताया जाएगा ताकि युवा पीढ़ी को महर्षि कश्यप के जीवन को लेकर पता चले।

स्वच्छता को लेकर चलाया अभियान

उचाना। एक कदम स्वच्छता की और अभियान के तहत बाजारों, सार्वजनिक स्थानों पर गीला कचरा, सूखा कचरा अलग-अलग करने को लेकर संदेश दिया गया। दी सानवि कॉ-आप्रेटिव सोसायटी के राकेश द्वारा बताया कि गीला कचरा हरे व नीले रंग के डस्टिबन में सूखा कचरा डाले। उचाना को साफ-सुथरा बनाए रखने में सब अपना योग दे। निरंतर इस तरह के अभियान चला कर आमजन को जागरूक किया जाता है। उचाना को साफ-सुथरा सभी के सहयोग से बनाने का काम करेंगे।

अलग-अलग स्थानों से दो युवतियां लापता

जींद। जिले में अलग-अलग स्थानों से दो युवतियों के संदिग्ध हालात में गायब होने पर संबंधित थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। गांव बहादुरपुर निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 20 मई को उसकी बेटी घर से गायब हो गई। उधर, बिघाना निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 21 मई को उसकी बेटी घर से गायब हो गई। दोनों अभिभावकों ने गायब युवतियों को तलाशा भी लेकिन कोई सुराग नही लगा। संबंधित थाना पुलिस ने शिकायतों के आधार पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मास कम्युनिकेशन कोर्स प्रारंभ करने की मांग

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विवि के जनसंचार विभाग में पिछले एक वर्ष से होल्ड पर चल रहे बैचलर ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन कोर्स को शैक्षणिक सत्र 2026-2027 से दोबारा शुरू करने के लिए छात्रों ने आवाज बुलंद की है। इस विषय में विवि के पूर्व छात्र अजय मलिक के नेतृत्व में विभिन्न छात्रों ने कुलपति और राज्यपाल को ईमेल के माध्यम से मांग पत्र भेजा है। छात्रों ने बताया कि जींद और इसके आसपास के पूरे क्षेत्र के किसी भी अन्य सरकारी या निजी कॉलेज या विश्वविद्यालय में जनसंचार का यह डिग्री कोर्स उपलब्ध नहीं है।

दाखिला लेने के लिए 31 तक आवेदन करें छात्राएं

उचाना। रेलवे रोड स्थित एसडी महिला महाविद्यालय उचाना में बीए, बीकॉम के प्रथम वर्ष के लिए दाखिले प्रारंभ होने के बाद दाखिला लेने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए आस-पास के गांव से छात्राएं पहुंच रही है। प्राचार्या अंजू रानी ने बताया कि 12वीं पास विद्यार्थी महाविद्यालय में दाखिला लेना चाहते है वे 31 मई तक एडमिशन पोर्टल पर आवेदन कर सकते है। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया बिल्कुल मुफ्त है। बीए 240, बीकॉम में 80 सीट है।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी सम्मानित

उचाना। ईरा इंटरनेशनल स्कूल डूमरखा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों, खिलाड़ियों को समारोह आयोजित कर सम्मानित किया।स्कूल डायरेक्टर जुगमिंद्र सिंह, प्रिंसिपल कविता ढिल्लों ने बताया कि 12वीं कक्षा में मेरिट प्राप्त करने वाली आरती, दीपिका, प्रियंका, मोनिका, 10वीं कक्षा में मेरिट प्राप्त करने वाले आयुष जिसने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त, यशप्रीत, खेल के क्षेत्र में समीर, आयुष जिनका भारतीय हैंडबाल टीम में चयन हुआ हैं को सम्मानित किया। डूमरखा खुर्द सरपंच कैलाशो देवी ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों को जल्द ग्राम पंचायत द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

डिप्टी स्पीकर ने जनसंवाद कार्यक्रम के तहत सुनीं समस्याएं

नायब सरकार आमजन के कल्याण को प्रतिबद्ध: मिड्ढा

पीएम-सीएम के नेतृत्व में हो रहा जनकल्याण का काम

सरकार अंत्योदय की भावना से कार्य कर रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। जन समस्याएं सुनते डिप्टी स्पीकर। फोटो :हरिभूमि

हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि भाजपा सरकार आमजन के कल्याण की सरकार है। सरकार द्वारा लागू की जा रही सभी योजनाओं में सर्व कल्याण का मुख्य विजन है और जनसाधारण को इनका सीधा फायदा मिल रहा है। डिप्टी स्पीकर शनिवार को अपने आवास पर जन संवाद कार्यक्रम के तहत लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि मौजूदा सरकार अंत्योदय की भावना से कार्य कर रही है, जिससे गरीब कल्याण की परिकल्पना साकार होगी और वर्तमान में वह दौर आ भी चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य लक्ष्य किसान, मजदूर, कर्मचारी, व्यापारी, दुकानदार, युवा, महिला, शोषित, पीड़ित और वंचित सहित समाज के तमाम वर्गों तक बराबर विकास पहुंचना है। सरकार इसके लिए निरंतर प्रयासरत है। डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लगातार जनकल्याण का काम हो रहा है। सरकार ने महिलाओं के सम्मान को ध्यान में रखते हुए लाडो लक्ष्मी योजना, उज्जवला योजना, घर-घर शौचालय और प्रत्येक घर में नल से स्वच्छ पेयजल पहुंचाया, बिना पर्ची, बिना खर्ची की पारदर्शी योजना से गरीब परिवार के शिक्षित युवाओं में फिर से सरकारी नौकरी की उम्मीद जगाई। प्रदेश में 24 घंटे बिजली, बेहतर सड़कें, शिक्षा, चिकित्सा और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश की जनता ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को समर्थन देकर 2047 में विकसित भारत के सपने को साकार करने पर मोहर लगाई है।

हर तरह की पहुंची शिकायतें

जन संवाद कार्यक्रम में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने पेयजल, बिजली, सड़क, सफाई व्यवस्था, पेंशन, राजस्व मामलों सहित विभिन्न जनहित से जुड़े मुद्दे डा. कृष्ण लाल मिड्ढा के समक्ष रखे। उन्होंने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए और कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता राजकुमार नैन, बिजली विभाग के कार्यकारी अभियंता विकास कुमार के अलावा नगर निकाय तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी, सामाजिक प्रतिनिधि एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विधायक की लोकप्रियता से विपक्षी बेचैन : दुर्जनपुर

उचाना। भाजपा उचाना मंडल उपाध्यक्ष सत्यवान दुर्जनपुर ने कहा कि पीएम की ईंधन बचाने की अपील के बाद विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री उचाना पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में लगने वाले जनता दरबार में जींद से बस में पहुंचे। विधायक बस से आने के बाद वो बस से ही जींद तक गए। टिकट लेकर विधायक ने सफर किया हालांकि इस पर विपक्ष कार्यकर्ता सवाल उठा रहा है कि विधायक बस में बिना टिकट सफर कर सकते है। ऐसे लोगों को पता होना चाहिए कि बस में मुफ्त सफर की सुविधा के बाद भी विधायक ने आम जन की तरह टिकट लेकर संदेश दिया है कि वो आम जन की तरह की है। किसी तरह के वो वीवीआई कल्चर में नहीं चलते है। कहा कि विधायक की निरंतर बढ़ रही आमजन में लोकप्रियता से विपक्षी बैचेन हो चुके है। जो विरोधी दल के कार्यकर्ता है वो भी विधायक के मिलनसार रवैये की तारीफ करते नजर आ रहे है।

रोहतक की धरा से प्रदेश में गया बड़े बदलाव का संकेत

उचाना। मार्केट कमेटी पूर्व वाइस चेयरमैन सुरेंद्र गर्ग, कांग्रेस नेता रामकुमार घोघड़िया ने कहा कि बांगर की धरती से सद्भाव का संदेश लेकर कांग्रेस नेता बृजेंद्र सिंह निकले थे। 7 महीनों में साथियों के साथ प्रदेश के 90 हलकों में बृजेंद्र सिंह ने प्रदेश की सड़कों को पैदल नापते सद्भाव का संदेश दिया। 8 मई को गुरुग्राम में यात्रा के अंतिम चरण में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पहुंचे थे। यात्रा का समापन रोहतक हलके में हुआ। यहां पर उमड़ी लोगों की भारी भीड़ प्रदेश में होने वाले बदलाव का संकेत है। रोहतक की धरती से प्रदेश में आने वाले समय में होने वाले बड़े बदलाव का संदेश गया है। कहा यात्रा की नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तारीफ करने के साथ-साथ यात्रा का नेतृत्व कर रहे बृजेंद्र सिंह की भी तारीफ कर संदेश दिया है कि ये यात्रा कांग्रेस की यात्रा थी।

जींद। इंडस ग्लोबल अकादमी किनाना में चुनी कार्यकारिणी। फोटो :हरिभूमि

इंडस ग्लोबल अकादमी किनाना में नवगठित छात्र परिषद ने ली शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

इंडस ग्लोबल अकादमी किनाना में सत्र 2026-27 के लिए इन्वेश्वर सेरेमनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रवीन परूथी कोऑर्डिनेटर इंडस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस प्रधानाचार्य डा. संजीव तायल तथा हेडमास्टर जेएस सारंग द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया। कार्यक्रम में स्वागत नृत्य एवं प्रेरणादायक नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां दी। इसके बाद छात्र परिषद की भूमिकाओं एवं जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला गया तथा विद्यार्थियों को विद्यालय की संविधान की शपथ दिलाई गई। हेड ब्वाय और हेड गर्ल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यालय की गरिमा बनाए रखने का संकल्प लिया। विद्यालय की छात्र परिषद के लिए मनीष (12वीं) को हेड ब्वाय तथा निशु (11वीं) को हेड गर्ल चुना गया। यशजीत आठवीं को डिप्टी हेड ब्वाय एवं लक्षिता 10वीं को डिप्टी हेड गर्ल की जिम्मेदारी सौंपी गई। अन्य पदों पर मानवी नौंवीं को डिसिप्लिन इंचार्ज, नंदनी आठवीं को डिप्टी डिसिप्लिन इंचार्ज पारुल दसवीं को कल्चरल हेड, श्रेया आठवीं को डिप्टी कल्चरल हेड, वंशिका 10वीं को असेंबली कोऑर्डिनेटर तथा जानवी 8वीं को डिप्टी असेंबली कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया। हाउस कैप्टन के रूप में विंध्या हाउस से विकास 11वीं, कैप्टन एवं हर्षिका 8वीं वाइस कैप्टन, अरावली हाउस से आदित्य नेहरा 10वीं कैप्टन एवं बरखा 10वीं वाइस कैप्टन, नीलगिरी हाउस से धैर्या 10वीं कैप्टन एवं देवांश 8वीं वाइस कैप्टन तथा शिवालिक हाउस से रितिका 11वीं कैप्टन एवं दीक्षा 8वीं वाइस कैप्टन चुने गए। खेल गतिविधियों के लिए भविष्या 11वीं को स्पोर्ट्स कैप्टन एवं नमंशी 11वीं को डिप्टी स्पोर्ट्स कैप्टन बनाया गया। वहीं अंजलि 7वीं को क्लीनलीनेस इंचार्ज तथा कुनाल 7वीं को एनर्जी सेविंग इंचार्ज की जिम्मेदारी दी गई। मुख्य अतिथि प्रवीन परूथी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नेतृत्व, अनुशासन, जिम्मेदारी और सेवा भावना से विकसित होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को ईमानदारी एवं समर्पण के साथ अपने दायित्व निभाने के लिए प्रेरित किया।

प्रिंसिपल-अध्यापकों को दी अटल टिंकरिंग लैब ट्रेनिंग

जींद। राजकीय वमावि कंडेला में अटल टिंकरिंग लैब की प्रिंसिपल सहित दो-दो अध्यापकों को कोचिंग दी गई। अटल ट्रैकिंग लैब (अधिक सटीक रूप में अटल टिंकरिंग लैब या एटीएल)भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा शुरू की गई एक प्रमुख पहल है। इसे अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) के तहत देश भर के स्कूलों में स्थापित किया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य कक्षा 6 से 12 तक के स्कूली छात्रों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार की भावना विकसित करना है। अटल टिंकरिंग लैब के मुख्य बिंदु व्यावहारिक शिक्षा (हैडस ऑन लर्निंग), यहां छात्रों को सिर्फ किताबों तक सीमित न रखकर स्वयं करके सीखने (डू इट यूअर सैल्फ) का अवसर दिया जाता है। इस लैब में 3डी प्रिंटर, रोबोटिक्स, सेंसर किट और ओपन सोर्स माइक्रो कंट्रोलर जैसे आधुनिक उपकरण उपलब्ध होते हैं।

जींद। बस अड्डा परिसर जहां कैंटीन की बोली की गई है। फोटो :हरिभूमि

बस अड्डा परिसर में तीन वर्ष से खाली कैंटीन की बोली

जींद। बस अड्डा परिसर में पिछले लगभग तीन साल से खाली पड़ी कैंटीन की किराये के लिए बोली हुई है। बड़ी कैंटीन का मासिक किराया एक लाख 90 हजार रुपये और साथ में 18 प्रतिशत जीएसटी रहेगा। कैंटीन एक जून से शुरू होगी, जिसका अनुबंध 31 मार्च 2028 तक रहेगा। ऐसे में यात्रियों को खाने-पीने के लिए चीजें मिल पाएंगी। कैंटीन लंबे समय से खाली होने के कारण सर्दियों में रैन बसैरा तो गर्मियों में हैप्पी कार्ड रखने के लिए प्रयोग किया जा रहा था। 21 मई को कैंटीन के लिए बस स्टैंड परिसर में बोली हुई थी। जिसमें से बड़ी कैंटीन अब अलाट हो चुकी है। इस समय जींद नए बस स्टैंड की दुकानों में से एक में एटीएम, एक में सैलूनए एक जूस कार्नर, ए एक ढुकान में बेबी फीड सेंटर चल रहा है। गौरतलब है कि पांडू पिंडारा में 32 करोड़ रुपये की लागत से नए बस स्टैंड का निर्माण करवाया गया है। नए बस स्टैंड के प्रथम तल पर महाप्रबंधक कार्यालय, चालकों व परिचालकों के लिए डोर मैटरी जैसी सुविधाएं दी गई हैं। जबकि भूतल पर संस्थान प्रबंधक कार्यालयए पूछताछ कार्यालय सहित 17 दुकान बनाई गई हैं।

कच्चे कर्मियों को पक्का करवाने के लिए 30 जून तक प्रदेश में चलाएंगे हस्ताक्षर अभियान: गंगा राम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की राज्य कमेटी के आह्वान पर जिला कार्यकारिणी की बैठक जाट धर्मशाला में संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान संजीव ढांडा व मंच संचालन जिला सचिव सन्नी पटवारी द्वारा किया गया तथा मुख्य वक्ता के तौर पर पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल यूनियन के राज्य प्रधान गंगा राम रहे। मुख्य वक्ताओं ने राज्य कमेटी की ओर से प्रस्तावित मांग और मुद्दों पर चर्चा सहित देश प्रदेश में चल रही विकट परिस्थितियों पर भी चिंता जाहिर करते कर्मचारी नेताओ को संघर्ष के लिए आह्वान किया। कहा कि 30 जून तक पूरे प्रदेश में जितने भी ओर जैसा भी कच्चा कर्मचारी है, उसको पक्का करवाने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। 30 जुलाई को जींद में जिला स्तरीय प्रदर्शन में कच्चे कर्मचारियों को पक्का करवाने व पुरानी पेंशन बहाली के जेल भरो आंदलोन किया जाएगा।

जींद। बैठक को संबोधित करते कर्मचारी नेता।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए पीटीआई धरने पर प्रदर्शन किया जाएगा। छह जून को जिला स्तरीय महिला कन्वेंशन का होगा। अगस्त सितंबर में उच्च न्यायालय के फैसले अनुसार कच्चे कर्मियों को पक्का करवाने व पुरानी पेंशन बहाली के जेल भरो आंदलोन किया जाएगा।

ये रहे मौजूद

अक्टूबर में सीएम आवास का घेराव किया जाएगा और जब तक कच्चे कर्मचारी पक्के नहीं हो जाते पुरानी पेंशन बहाल नहीं हो जाती संघर्ष तेज से भी तेज कर जनता के बीच जाया जाएगा। 12 को दिल्ली रामलीला ग्राउंड में कर्मचारियों के मांग और मुद्दों के लिए राष्ट्रीय स्तर की रैली का आयोजन किया जाएगा। सुनीता कालीरामना, पिल्लूखेड़ा ब्लॉक प्रधान कमल सैनी, उचाना ब्लॉक प्रधान धर्मबीर मोर, नरवाना ब्लॉक के सचिन, सुनील, जींद ब्लॉक प्रधान मनदीप, जुलाना ब्लॉक प्रधान संजय गिल, अलावा ब्लॉक प्रधान अमरजीत मौजूद थे।

उचाना। कस्तूरबा गांधी स्कूल सफा खेड़ी में छात्राओं द्वारा बनाई गई पेंटिंग।

छात्राओं ने दीवारों पर सुंदर पेंटिंग बनाई

उचाना। कस्तूरबा गांधी विद्यालय सफा खेड़ी के छात्रावास की दीवारों पर छात्राओं द्वारा सुंदर-सुंदर पेंटिंग बना कर दीवारों की तस्वीर को बदलने का काम किया है। छात्रावास प्रवेश द्वार के साथ अंदर परिसर, सीढ़ियों के साथ-साथ कमरों के आस-पास जहां भी जगह होती है वहां पर छात्राओं द्वारा सुंदर-सुंदर पेंटिंग बनाई जा रही है। छात्रावास इंचार्ज सोनिया श्योकंद ने बताया कि छात्रावास के अंदर की जो दीवारे है उस पर छात्राओं द्वारा पेंटिंग की गई है। बीते एक सप्ताह से स्कूल टाइम के बाद जब भी छात्राओं को समय लगता है तो वो पेंटिंग बनाती है। छात्राएं ग्रुप बना कर ये कार्य करती है। एक साथ कार्य करने से आपस में एक-दूसरे का सहयोग करने की भावना पैदा होती है। छात्राओं के अंदर जो प्रतिभा भी है वो भी इस तरह की पेंटिंग बनाने से सामने आती है। एक से बढ़कर एक पेंटिंग दीवारों पर छात्राओं ने बनाई है।

'लिंग जांच करवाना कानूनी अपराध'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खरकरामजी के अंतर्गत रधाना गांव में ब्लॉक एजुकेटर महेंद्र सिंह व तेजवीर सिंह स्वास्थ्य सुपरवाइजर की अध्यक्षता में नुक्कड़ सभाओं का आयोजन किया गया। जिसमें बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर शपथ दिलाई गई व गर्भवती महिलाओं को व ग्रामीण महिलाओं को पीएनडीटी एक्ट की जानकारी दी गई। महेंद्र सिंह ब्लॉक एजुकेटर व तेजवीर सिंह स्वास्थ्य सुपरवाइजर ने जागरूक करते कहा कि कन्या भ्रूण हत्या के कारण गिरता लिंग अनुपात हमारे देश के सामने बहुत बड़ी सामाजिक समस्या है। समस्या के निदान के लिए सरकार को ही नही बल्कि हम सभी को सामाजिक दृष्टि से जागरूक होना होगा। इसके लिए हमें रूढ़िवादी सोच का परित्याग करना चाहिए। परिवर्तित सोच से ही लिंगानुपात में सुधार होगा और बेटियों को समाज में सम्मानजनक स्थान प्राप्त होगा। महेंद्र सिंह ने कहा कि कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना बालिकाओं को संरक्षित और सुरक्षित करने के लिए बनाई गई योजना है। योजना का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं की शिक्षा सुनिश्चित करना, बालिकाओं को शोषण से बचाना व शिक्षा के माध्यम से लड़कियों को सामाजिक और वित्तीय रूप से स्वतंत्र बनाना महिलाओं के साथ हो रहे भेदभाव को रोकना, बेटियों के अस्तित्व को बचाना एवं उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करना आदि है।

जींद। कन्या भ्रूण हत्या न करने की शपथ दिलाते हुए। फोटो :हरिभूमि

हसनपुर आरोही माडल स्कूल में विजेता विद्यार्थियों के साथ स्टाफ व प्राचार्या ममता शर्मा।

हिंदी कविता गायन में प्रीति अव्वल, संध्या द्वितीय

जींद। हसनपुर के आरोही माडल स्कूल में हिंदी कविता गायन व पर्यावरण पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या ममता शर्मा ने की। इस दौरान 9वीं से 12वीं तथा छटी से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्राचार्या ने बताया कि हिंदी कविता गायन में उप विषय देश भक्ति, समाज में नारी का उत्थान, पर्यावरण प्रदूषण, मोबाइल का सदपयोग व दुरूपयोग, समलैंगिकता व पर्यावरण जागरूकता चित्रकला प्रतियोगिता में विषय जलवायु परिवर्तन, कल और आज, ग्लोबल वार्मिंग को खतरा, स्वच्छ उर्जा एवं उज्जवल भविष्य थे। प्रतियोगिता के हिंदी कविता गायन में प्रीति ने प्रथम, संध्या ने द्वितीय तथा कृति ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पर्यावरण जागरूकता चित्रकला में संजना ने प्रथम, आंचल ने द्वितीय तथा शीतल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। जबकि 8वीं कक्षा से अमृत ने प्रथम, मुस्कान ने द्वितीय तथा जागृति ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्राचार्या ममता शर्मा ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लेने से विद्यार्थियों का मनोबल बढता है।

शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार जिले के 423 प्राथमिक विद्यालयों में पीटीएम का आयोजन

बच्चों को प्रतिदिन पढ़ने के लिए प्रेरित करें व स्कूल कार्यों को समय पर पूरा करवाने में सहयोग करें अभिभावक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

विद्यालय शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार जिले के 423 प्राथमिक विद्यालयों में शनिवार सुबह अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) का आयोजन किया गया। जिला समन्वयक एफएलएन राजेश वशिष्ठ ने बताया की बैठक का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, नियमित उपस्थिति, भाषा एवं गणना दक्षताओं तथा उनके सर्वांगीण विकास पर अभिभावकों के साथ सार्थक संवाद स्थापित करना रहा। विद्यालयों में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा बच्चों के भविष्य को लेकर शिक्षकों के साथ सकारात्मक चर्चा की। बैठक का शुभारंभ विद्यालय परिसर में अभिभावकों के स्वागत के साथ किया गया। शिक्षकों द्वारा अभिभावकों को विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों, कक्षा में सहभागिता, अनुशासन, व्यवहार एवं सीखने के स्तर की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों की भाषा और गणना संबंधी दक्षताओं को बेहतर बनाने हेतु चलाए जा रहे विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी भी साझा की गई बैठक के दौरान शिक्षकों ने अभिभावकों को बताया कि बच्चों की नियमित उपस्थिति, घर पर अध्ययन का वातावरण तथा अभिभावकों का सहयोग बच्चों की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिक्षकों ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को प्रतिदिन पढने के लिए प्रेरित करें तथा विद्यालय द्वारा दिए गए कार्यों को समय पर पूरा करवाने में सहयोग करें। विद्यालयों में आयोजित गतिविधियों के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न शैक्षणिक एवं रचनात्मक प्रस्तुतियां भी दी गईं। शिक्षकों ने अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई को निरंतर बनाए रखने के लिए समर पैकेट एवं अभ्यास कार्यों के महत्व से अवगत कराया। अभिभावकों से कहा गया कि वे बच्चों को प्रतिदिन पढ़ने, लिखने व गणना अभ्यास के लिए प्रेरित करें ताकि अवकाश के बाद भी बच्चों की सीखने की गति बनी रहे।

जींद। पीटीएम में भाग लेने आए अभिभावक। फोटो :हरिभूमि

जींद। नगूरां के घरों में नमक में आयोडीन की जांच करती स्वास्थ्य विभाग की टीम।

आयोडीन युक्त नमक अपनाएं नागरिक : नरेंद्र ढांडा

जींद। स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग की टीम ने नगूरां में आयोडीन युक्त नमक की जांच के लिए एक अभियान चलाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वास्थ्य निरीक्षक नरेंद्र ढांडा ने की। इस दौरान टीम द्वारा घर-घर जाकर नमक के सैंपल लेकर नमक में आयोडीन की जांच की तथा लोगों को आयोडीन युक्त नमक अपनाएं, घेंघा जैसी बीमारियों को भगाएं नामक स्लोगनों से जागरूक किया। जांचने पर अधिकतर घरों में नमक में आयोडीन की मात्रा सही पाई गई। स्वास्थ्य निरीक्षक नरेंद्र ढांडा ने बताया कि आयोडीन युक्त नमक का सेवन करने से शरीर को आवश्यक आयोडीन मिलता है। जो थायराइड हार्मोनस के उत्पादन, शारीरिक व मानसिक विकास और मेटाबालिज्म को नियंत्रित रखने के लिए बहुत जरूरी है। यह घेंघा जैसी बीमारियों की रोकथाम करता है। बच्चों में आयोडीन शरीर की लंबाई, हडिडयों की मजबूती और मस्तिष्क के विकास के लिए आवश्यक है। बच्चों के सीखने की क्षमता और यादाश्त को बेहतर बनाता है। गर्भवती महिलाओं में आयोडीन गर्भ में पल रहे बच्चे के मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र का विकास करता है तथा गर्भपात के खतरे को कम करता है।

खबर संक्षेप

अभियान के दौरान रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

कैथल। युवा जागृत अभियान के तहत विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले एम एस जादूगर के सम्मान और हौसला बढ़ाने के उद्देश्य से एक विशाल रोड शो का आयोजन किया गया।इसमें युवाओं का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। इस दौरान प्रसिद्ध कलाकार एवं समाजसेवी एम एस जादूगर का जगह-जगह भव्य स्वागत और सम्मान किया गया। कार्यक्रम में शहरवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए युवा शक्ति को प्रोत्साहित किया।
रोड शो सुबह 9 बजे कैथल सेक्टर-18 से शुरू हुआ, जो हनुमान वाटिका, आरकेएसडी कॉलेज, विश्वकर्मा चौक और सेक्टर-20 व 19 से होता हुआ लघु सचिवालय के नजदीक से होता वापसी सेक्टर 18 में संपन्न हुआ।

नवाचार की पाठशाला बनी स्टंबल लैब

सीवन। मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी दिव्यता ने राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीवन में संचालित स्टंबल लैब का निरीक्षण कर विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की सराहना की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्राथमिक, मिडिल और सीनियर सेकेंडरी कक्षाओं में विद्यार्थियों द्वारा किए जा रहे प्रयोगों और गतिविधियों का अवलोकन किया। विद्यार्थियों ने अपनी तार्किक क्षमता और रचनात्मक सोच के आधार पर विभिन्न समस्याओं के समाधान प्रस्तुत किए। बच्चों का आत्मविश्वास और सीखने के प्रति उत्साह देखकर सीएमजीजीए दिव्यता काफी प्रभावित नजर आईं।

अव्वल रहे विद्यार्थियों को किया सम्मानित

कैथल । ग्राम पंचायत रामगढ़ पांडवा और एसएमसी द्वारा आरोही राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामगढ़ पांडवों में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें दसवीं और बारहवीं कक्षा के अंदर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया सम्मान समारोह में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाले बच्चों के अलावा जिन बच्चों ने किसी विषय विशेष में 100 में से 100 अंक लिए थे उन्हें भी ग्राम पंचायत के द्वारा सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य अश्विनी कुमार मंगला सहित विद्यालय के सही प्राध्यापकों को उनकी मेहनत, लगन परिश्रम और बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए सम्मानित किया।

माता वैष्णो देवी के लिए फ्री बस यात्रा 28 को

पूंडरी। श्री श्याम परिवार ट्रस्ट पाई की ओर से माता वैष्णो देवी के लिए 14 वीं निःशुल्क बस यात्रा 28 मई को निकाली जाएगी। इसकी जानकारी ट्रस्ट के चेयरमैन विरेंद्र सांगवान व प्रधान प्रवीण शर्मा ने कैथल रोड़ पर स्थित ट्रस्ट कार्यालय में हुई बैठक के दौरान दी। उन्होंने बताया कि श्री श्याम परिवार ट्रस्ट द्वारा पिछले तीन वर्षों से बाला जी, खाटूश्याम व वैष्णो देवी सहित अन्य धार्मिक स्थलों के लिए सफलता पूर्वक 13 निशुल्क धार्मिक यात्राएं निकाल चुका है और यह ट्रस्ट की 14 वीं यात्रा है। माता वैष्णो देवी धाम की इस पवित्र यात्रा को भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष अनिता चौधरी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगी।

दिव्यांग बच्चों को दिए जाएंगे उपकरण

कलायत। कलायत खंड के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल परिसर में विशेष रूप से सक्षम (दिव्यांग) बच्चों और नागरिकों की सहायता के लिए एक सराहनीय पहल सामने आई है। शिक्षा विभाग और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सौजन्य से दिव्यांग बच्चों के लिए आवश्यक सहायक उपकरणों की एक विशेष सूची तैयार कर वितरण प्रक्रिया शुरू की गई। प्रधाचार्य सुखदेव सिंह की अगुवाई में आयोजित इस कार्यक्रम में विशेष आवश्यकता वाले 30 विद्यार्थियों के सहायक उपकरण स्वीकृत और सूचीबद्ध किए गए हैं। इस सूची में दिव्यांग बच्चों की गतिशीलता और उनके सीखने की क्षमता को बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार के आधुनिक उपकरण शामिल रहेंगे।

नरडांचल वमावि, नरड़ में जैव विविधता पर प्रतियोगिता

भाषण प्रतियोगिता में माफी अव्वल और चौथी कक्षा का अरमान द्वितीय

जैव विविधता प्रकृति की अमूल्य धरोहर, इसके प्रति जागरूकता जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

नरडांचल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नरड़ में जैव विविधता विषय पर भव्य शैक्षिक एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन तथा जैव विविधता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना रहा। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी, चित्रकला, भाषण तथा रंगोली प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में डीएफओ सुरेन्द्र डांगी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में आरएफओ महावीर सिंह ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में वन विभाग की नगर समन्वयक रेखा रानी, जैव विविधता प्रबंधन समिति के सदस्य तथा नरड़, सोंगल एवं मुंदड़ी गांवों के सरपंच विशेष रूप से उपस्थित रहे। यहां पहुंचने पर एमडी सुरेश नैन तथा प्राचार्या सीमा रानी ने उनका स्वागत किया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जैव विविधता प्रकृति की अमूल्य धरोहर है तथा इसके संरक्षण हेतु प्रत्येक नागरिक का जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग रहने तथा वृक्षारोपण एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

विजेताओं को किया सम्मानित

डीपीई रणदीप ने बताया कि निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम समूह में चौथी कक्षा के रुद्र ने प्रथम तथा कीर्ति ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। द्वितीय समूह में नौवीं कक्षा की जया ने प्रथम तथा ग्यारहवीं कक्षा की शिवानी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में दल 'बी' ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसमें आठवीं कक्षा की संजना, बारहवीं कक्षा की ओसीन, पांचवीं कक्षा की परी तथा अर्व सम्मिलित रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम समूह में चौथी कक्षा के जशन ने प्रथम तथा पांचवीं कक्षा की प्राची ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। द्वितीय समूह में सातवीं की साक्षी ने प्रथम तथा दक्षु ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय समूह में ग्यारहवीं की आशा ने प्रथम तथा नौवीं की नैन्सी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम समूह में आठवीं की माफी ने प्रथम तथा चौथी कक्षा के अरमान ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। द्वितीय समूह में नौवीं कक्षा की दीक्षा ने प्रथम तथा बारहवीं कक्षा की राधिका ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में ग्यारहवीं कक्षा की दीपिका ने प्रथम तथा मनप्रीत एवं समूह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

कैथल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ग्योंग में विद्यार्थियों में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छटी से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और नशे के दुष्प्रभावों तथा स्वस्थ जीवन शैली को दर्शाती हुई सुंदर एवं प्रेरणादायक पेंटिंग्स प्रस्तुत कीं। विद्यालय के प्राचार्य राम निवास कौशिक ने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर समाज के लिए प्रेरणा बनना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की व ऐसे कार्यक्रमों को समय-समय पर आयोजित करने की आवश्यकता बताई। नकार्ड के नोडल अधिकारी अनुप धीमान ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उन्हें जागरूक नागरिक बनने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कला के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाना अत्यंत प्रभावशाली तरीका है। प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विद्यालय परिवार ने इस आयोजन को सफल बनाने में सभी विद्यार्थियों एवं अध्यापकों के सहयोग के लिए धन्यवाद व्यक्त किया।

प्रशिक्षण गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अत्यंत उपयोगी : सहारण

कैथल। कार्यशाला का शुभारंभ करते रिसोर्स पर्सन। *फोटो : हरिभूमि*

■ इंडस पब्लिक स्कूल कैथल में कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

इंडस पब्लिक स्कूल कैथल में शिक्षकों के लिए सीबीएसई क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन "लाइफ स्किल्स " विषय पर सफलतापूर्वक किया गया। यह ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी सत्र सीबीएसई द्वारा नियुक्त रिसोर्स पर्सन्स जतिंदर सिंह एवं सोनू शर्मा द्वारा संचालित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। यह सत्र अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी एवं सहभागितापूर्ण रहा, जिसमें विद्यार्थियों के भावनात्मक, सामाजिक एवं व्यक्तिगत विकास में लाइफ स्किल्स के महत्त्व पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अनेक महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं, जिन्हें वे अपने शिक्षण कार्य में प्रभावी रूप से लागू करेंगे। विद्यालय के डायरेक्टर अभिषेक सहारण ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिक्षकों के व्यावसायिक विकास तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

सड़क सुरक्षा नियमों की पालना करें: डीसी

कैथल। डीसी अपराजिता ने जिले के सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए प्रत्येक व्यक्ति को यातायात नियमों का गंभीरता से पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य भी है। डीसी अपराजिता ने सड़क सुरक्षा समिति से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सड़क सुरक्षा नियमों की प्रभावी पालना करवाने के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित करे कि सभी सड़के निर्धारित मानकों पर खरी उतरें। उन्होंने कहा कि स्कूलों, कॉलेजों और आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति लगातार जागरूक किया जाए।

स्वामी ज्ञानानंद महाराज का चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय में आत्मीय आगमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

पूंडरी। स्वर्गीय ईश्वर सिंह के व्यक्तित्व के बारे में पूज्य स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज को जानकारी देते तेजवीर सिंह। *फोटो :हरिभूमि*

ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय, फतेहपुर पूंडरी में परम पूज्य स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज का गरिमामयी एवं आत्मीय आगमन हुआ। प्रबंधन समिति के प्रधान एवं पूर्व विधायक तेजवीर सिंह ने उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर पूज्य स्वामी जी ने अत्यंत सहजता एवं आत्मीयता से महाविद्यालय परिसर में समय व्यतीत करते स्वर्गीय ईश्वर सिंह के व्यक्तित्व, उनकी समाजसेवा, दूरदर्शी सोच तथा विशेष रूप से कन्या शिक्षा के क्षेत्र में किए गए अनुकरणीय कार्यों के विषय में गहरी रुचि लेकर जानकारी प्राप्त की तथा उनकी मुक्त कंठ से सराहना की। चौ. तेजवीर सिंह ने बताया कि वे विगत 28 वर्षों से अपने पूज्य पिता की शिक्षा एवं समाजसेवा की गौरवशाली विरासत का समर्पित भाव से निर्वहन कर रहे हैं। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रहित एवं शिक्षा केंद्रित सोच, पूर्व सीएम एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के मार्गदर्शन, सीएम नायब सिंह सैनी तथा शिक्षा मंत्री माननीय महिपाल ढांडा के सहयोग से प्रदेश में शिक्षा एवं संस्कारों का वातावरण और अधिक सुदृढ़ हुआ है।

जाट कॉलेज में स्व-रोजगार को बढ़ावा देने के लिए 45 दिवसीय नि:शुल्क ट्रेनिंग प्रोग्राम का शुभारंभ

■ ट्रेनिंग के साथ-साथ यूनिफॉर्म, आईडी कार्ड और किताबें फ्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कोर्स की जानकारी देते पदाधिकारी।

जाट शिक्षण संस्था, कैथल में आयोजित प्रेसवार्ता में संस्था के प्रधान राजकुमार बेनीवाल और हेड हेल्ड हाई फाउंडेशन के प्रतिनिधि गगन शर्मा ने जानकारी दी। इस दौरान उप प्रधान बलजिंदर बनवाला, एडवोकेट रश्मि ढुल, बलकार नैन व कार्यकारी सदस्य जसवीर मानस भी मौजूद रहे। आईएचसीएल, ताज होटल्स, और हेड हेल्ड हाई फाउंडेशन के संयुक्त सहयोग से कैथल जिले के युवाओं के लिए 45 दिवसीय निःशुल्क जॉब प्लेसमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू किया गया है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से ग्रामीण और कम सुविधा प्राप्त युवाओं को हॉस्पिटैलिटी, रिटेल, फाइनेंस, रेस्तरां व बीपीओ सेक्टर में नौकरी के लिए तैयार करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।यह पहल कैथल के विधायक आदित्य सुरजेवाला के प्रयासों से संभव हो पाई है। इसे 18 से 25 आयु वर्ष के 12वीं पास या स्नातक पास सभी वर्ग के युवा आवेदन कर सकते हैं।

प्रशिक्षण में सिखाई जाने वाली प्रमुख स्किल्स

1. वर्क रेडीनेस
2. पर्सनैलिटी डेवलपमेंट
3. डिजिटल साक्षरता
4. इंटरव्यू स्किल्स
5. कंप्यूटर स्किल्स
6. कम्युनिकेशन स्किल्स
7. ग्रूमिंग

कोर्स नि:शुल्क

ट्रेनिंग के साथ-साथ यूनिफॉर्म, आईडी कार्ड और किताबें भी नि:शुल्क दी जाएंगी। सफलतापूर्वक ट्रेनिंग पूरी करने वाले युवाओं को हॉस्पिटैलिटी, रिटेल, फाइनेंस, रेस्तरां व बीपीओ क्षेत्रों में नौकरी पाने का मजबूत आधार मिलेगा। ट्रेनर गगन शर्मा और अन्य स्टाफ के सहयोग से इससे पहले भी प्रशिक्षण ले चुके कई युवाओं को कैथल व अन्य स्थानों पर नौकरी दिलाई जा चुकी है। विधायक आदित्य सुरजेवाला की दूरदर्शी सोच से कैथल के युवाओं को बड़े ब्रांड्स के साथ जुड़कर करियर बनाने का अवसर मिलेगा। यह प्रोग्राम युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की पहली सीढ़ी साबित हो सकता है।

राजौंद। जल फिसलपट्टियों और रेन डांस का आनंद लेते विद्यार्थी।

रॉकलैंड वाटर पार्क में आदर्श स्कूल जाखौली के विद्यार्थियों ने की मस्ती

राजौंद। आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल जाखौली के लगभग 300 विद्यार्थियों एवं समस्त स्टाफ सदस्यों ने रॉकलैंड वाटर पार्क में आयोजित मनोरंजक व शैक्षणिक भ्रमण का भरपूर आनंद लिया। विद्यालय के प्राचार्य ओ.पी. शर्मा के नेतृत्व में यह विशेष भ्रमण विद्यार्थियों के मनोरंजन, आत्मविश्वास तथा आपसी सहयोग की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। प्रातःकाल सभी विद्यार्थी उत्साह और उमंग के साथ विद्यालय से रवाना हुए। पार्क पहुंचते ही बच्चों ने रंग-बिरंगी जल फिसलपट्टियों, वर्षा नृत्य (रेन डांस) और विशाल स्विमिंग पूल का खूब आनंद लिया। संगीत की मधुर धुनों पर विद्यार्थियों ने जमकर डांस किया, जिससे पूरा वातावरण उल्लास और ऊर्जा से भर गया। बच्चों की हंसी और खुशियों ने पूरे परिसर को जीवंत बना दिया।

कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर प्रयास सफलता की कुंजी

■ बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी सम्मानित किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुहला चीका

गुहलाचीका। अव्वल रहे विद्यार्थियों को सम्मानित करते पंचायत सदस्य।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अगोंध में माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विद्यार्थियों की शानदार उपलब्धियों पर विद्यालय परिसर गौरव और उत्साह से भर उठा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य संजय सिंह ने की। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। समारोह में वर्तमान एसएमसी प्रधान प्रतिनिधि बलविंदर सिंह तथा पूर्व एसएमसी प्रधान कुलदीप सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। मंच संचालन देवी राम संस्कृत ने प्रभावशाली ढंग से किया, जबकि बूटा सिंह टी जी टी पंजाबी ने विद्यार्थियों को प्रेरक एवं उत्साहवर्धक भाषण देकर नई ऊर्जा प्रदान की।

गांव सिरसल में धूमधाम से मनाई महर्षि कश्यप जयंती

महर्षि कश्यप भारतीय संस्कृति के महान ऋषि: जाम्बा

पूरे गांव में दिखा आस्था और उत्साह का माहौल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

पूंडरी। विधायक सतपाल जाम्बा का स्वागत करते गांववासी।

पुंडरी के गांव सिरसल में महर्षि कश्यप जयंती बड़े ही श्रद्धा, उत्साह और धूमधाम के साथ मनाई गई। इस अवसर पर महर्षि कश्यप कमेटी के सभी सदस्यों एवं ग्रामीणों ने मिलकर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें पूरे गांव में आस्था और श्रद्धा का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम में विधायक सतपाल जाम्बा ने विशेष रूप से शिरकत करते हुए महर्षि कश्यप को श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस दौरान समाज के वरिष्ठजन, युवा साथी, महिलाएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक एवं सामाजिक एकता का संदेश देखने को मिला।
विधायक सतपाल जाम्बा ने अपने संबोधन में कहा की महर्षि कश्यप जी भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा के महान ऋषियों में से एक हैं। उनके आदर्श हमें समाज में एकता, सद्भाव और संस्कारों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि महापुरुषों की जयंती केवल उत्सव नहीं, बल्कि उनके विचारों और शिक्षाओं को अपनाने का अवसर होती है। समाज को शिक्षित, संगठित और संस्कारित बनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

आभार व्यक्त किया

विधायक ने महर्षि कश्यप कमेटी के सभी सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में भाईचारे और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करते हैं। उन्होंने युवाओं से भी आह्वान किया कि वे अपने महापुरुषों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज सेवा के कार्यों में आगे आएं। इस अवसर पर ग्रामीणों और समाज के लोगों ने विधायक सतपाल जाम्बा का स्वागत करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। लोगों ने कहा कि विधायक द्वारा समाज के हर वर्ग के कार्यक्रमों में पहुंचकर सहभागिता करना सामाजिक एकता को मजबूती प्रदान करता है। पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्ति, श्रद्धा और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने गांव सिरसल में एक सकारात्मक और प्रेरणादायक माहौल बना दिया।

न्यूज डायरी

शिक्षा भारती स्कूल के कर्मियों ने लगाई छबील

कैथल। भीषण गर्मी और लू से राहत दिलाने के लिए शिक्षा भारती विद्यालय कलायत के चालक परिचालकों ने समाज सेवा का कार्य करते हुए विद्यालय में छोटे-छोटे बच्चों के लिए नींबू पानी की छबील लगाई है। विद्यालय के बच्चे व अध्यापक ,अध्यापिकाओं को शीतल पेयजल पिलाया गया। उन्होंने देखा लगातार तापमान बढ़ रहा है बच्चे बीमार हो रहे हैं बच्चों को राहत मिले इसलिए उन्होंने यह सराहनीय कार्य किया है। विद्यालय के अध्यक्ष कुलदीप सिंह बिढाण ने बताया कि भारतीय संस्कृति में जल सेवा को सबसे बड़ा पुण्य माना जाता है। ड्राइवर द्वारा इस पहल की खूब प्रशंसा की गई। इस अवसर पर राजेंद्र, सुभाष ,अशोक, सेवाराम, सतीश ,सोनू, सोहनलाल ,लीला ,पिंकी, बिन्दरअनेक ड्राइवर व कनेक्टर उपस्थित थे। विद्यालय के प्रबंधक निदेशक जितेंद्र सिंह बिढाण ने सभी के साथ मिलकर इस सेवा कार्य को सफल बनाया।

बेटियां बोझ नहीं, बल्कि देश का भविष्य:डॉ. संदीप

राजौंद। उप स्वास्थ्य केंद्र राजौंद प्रथम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सीएचसी राजौंद के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप सिंह के निर्देशानुसार बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारियों विनोद कुमार, बीना शर्मा और सुनीता देवी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस दौरान महिलाओं, युवाओं और नगरवासियों को कन्या भ्रूण हत्या रोकने तथा बेटियों की शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। डॉ. संदीप सिंह ने कहा कि बेटियां बोझ नहीं बल्कि देश का भविष्य हैं। उन्होंने बताया कि कन्या भ्रूण हत्या एक गंभीर सामाजिक और कानूनी अपराध है, जिससे समाज में लिंगानुपात बिगड़ रहा है। उन्होंने पीसीपीएनडीटी एक्ट 1994 की जानकारी देते हुए कहा कि गर्भ में लिंग की जांच करवाना या बताना कानूनन अपराध है।

पर्यावरण संतुलन के लिए पौधे लगाना आवश्यक

सीवन। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समाजसेवी अभिषेक मेहता ने राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला सोथा रोड सीवन में पहुँच कर पौधारोपण किया। इस दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए और विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान अभिषेक मेहता ने कहा कि आज के समय में बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरण असंतुलन को देखते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पौधे केवल वातावरण को शुद्ध ही नहीं करते बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण भी सुनिश्चित करते हैं। विद्यार्थियों से भी पौधों की देखभाल करने और अपने आसपास हरियाली बढ़ाने का आह्वान किया।

दोपहर के समय घरों से बाहर निकलने से बचें

कैथल। जिले में लगातार बढ़ रहे तापमान और लू के प्रकोप को देखते हुए उपायुक्त अपराजिता ने नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बढ़ती गर्मी स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है, इसलिए बचाव के उपाय अपनाना बेहद जरूरी है। डीसी अपराजिता ने कहा कि दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घरों से बाहर निकलने से बचें और खुद को लू के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखें। अत्यधिक गर्मी के कारण शरीर में पानी की कमी, चक्कर आना, कमजोरी और हीट स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पहले से बीमार व्यक्तियों की अतिरिक्त देखभाल करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि प्यास न लगने पर भी नियमित अंतराल पर पानी पीते रहें। हल्के रंग के ढीले और सूती कपड़े पहनें तथा धूप में बाहर निकलते समय सिर को टोपी, छाते या गमछे से ढककर रखें।

खबर संक्षेप

आर्य स्कूल को भेंट किया 51 हजार का सहयोग

पूंडरी। एंग्लो संस्कृत सी. सै. स्कूल पूंडरी का संचालन कर रही एंग्लो संस्कृत एजुकेशनल सोसाइटी को समाज सेविका रेणु गोयल पत्नी जितेंद्र गोयल ने अपनी सास स्व. माता चंद्रकांता गुप्ता पत्नी वेद प्रकाश गुप्ता की स्मृति में 51 हजार की सहयोग राशि का चेक भेंट किया। यह चेक उन्होंने अपने पिता सत नारायण बंसल के हाथों संस्था को प्रदान करवाया। इस अवसर पर स्कूल एवं सोसाइटी के प्रधान सुदेश कुमार बंसल, संरक्षक डॉ. सुभाष चंद बंसल, महासचिव महेश कुमार मंगल, संयुक्त सचिव सतीश कुमार सिंघल, कोषाध्यक्ष विवेक बंसल, स्कूल प्राचार्या डॉ. गीता कैशवर सहित अन्य सदस्यों ने उनका आभार व्यक्त किया। रेणु गोयल ने कहा कि एंग्लो संस्कृत सी. सै. स्कूल, पुंडरी शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर चौमुखी विकास कार्य कर रहा है, जिसकी वह सराहना करती हैं।

जुलाना में इनेलो कार्यकर्ताओं की बैठक 25 मई को

जुलाना। जुलाना की ब्राह्मण धर्मशाला में आगामी 25 मई को जुलाना विधानसभा क्षेत्र के इनेलो कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की जाएगी। इस मौके पर जुलाना में पार्टी के विस्तार और मजबूती पर चर्चा की जाएगी। यह जानकारी इनेलो के प्रदेश महासचिव धर्मेंद्र ढुल ने दी। उन्होंने बताया कि बैठक में इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा करेंगे। बैठक में विधानसभा क्षेत्र के सभी पदाधिकारियों, बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं और पार्टी के अन्य पदाधिकारी मौजूद होंगे।

ग्रामीणों को पढ़ाया नशा जागरूकता का पाठ

कैथल। कैथल पुलिस द्वारा जिले भर में नशा जागरूकता अभियान को निरंतर प्रभावी रूप से चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे की गिरफ्त से बाहर निकालकर उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित एवं सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित करना है। इसी कड़ी में नशा जागरूकता टीम में शामिल एसआई कर्मबीर सिंह, एएसआई मनोज, एचसी दिनेश, सिपाही नसीब, महिला सिपाही नीलम, महिला एसपीओ गीता, एसपीओ चांदी राम की टीम द्वारा गुहला, चीका व भागल में विशेष जागरूकता कार्यक्रम किए।

विश्व हिंदू परिषद ने शुरू किया ब्यूटी एवं मेहंदी प्रशिक्षण केंद्र

कलायत। महिलाओं को आत्मनिर्भर और हुनरमंद बनाने की दिशा में विश्व हिंदू परिषद ने एक सराहनीय पहल करते हुए कलायत प्रखंड में पहला ब्यूटी एवं मेहंदी प्रशिक्षण केंद्र शुरू किया है। इस केंद्र के माध्यम से क्षेत्र की बहू-बेटियों को स्थानीय स्तर पर कम खर्च में ब्यूटी पार्लर और मेहंदी कला का प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। केंद्र संचालक की कमान अनुराधा शर्मा को सौंपी गई है।

धरने के बाद नरवाना शहर में रोष प्रदर्शन कर प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा

78 साल में पेट्रोल हुआ 100 के पार कमरतोड़ भाजपाई महंगाई की मार

हरिभूमि न्यूज ⏭नरवाना

पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और रसोई गैस की लगातार बढ़ती कीमतों के विरुद्ध कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला के नेतृत्व में नरवाना में जोरदार रोष प्रदर्शन किया। रेलवे रोड पर पब्लिक धर्मशाला में धरना देकर शुरू हुए इस आंदोलन में हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। धरने के बाद नरवाना शहर में रोष प्रदर्शन कर प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति महोदया को ज्ञापन सौंपा गया। इस रोष प्रदर्शन में मौजूद भारी भीड़ को संबोधित करते हुए रणदीप सुरजेवाला ने भाजपा सरकार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि केंद्र और हरियाणा की जन विरोधी भाजपा सरकारें जनता की जेब काटना और घरों का बजट लूटना बंद करें तथा भाजपा निर्मित महंगाई पर तुरंत रोक लगाए। भाजपा सरकारों ने महंगाई डायन को गले लगा,हरियाणा व देश की जनता को महंगाई से डसवा दिया है।एक तरफ पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ाकर और पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी वसूल कर भाजपा सरकार द्वारा जनता की जेब से 12 साल में ₹43 लाख करोड़ वसूले गए हैं, तो दूसरी तरफ चिंता की बात यह है कि भाजपा सरकार ने रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया के इमरजेंसी फंड तक को नहीं छोड़ा, जो गंभीर मुश्किल समय व आपदा के लिए है।

भाजपा निर्मित महंगाई पर तुरंत रोक लगाए।

नरवाना। प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

नरवाना। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए रणदीप सुरजेवाला।

आरबीआई फंड व सरकारी वसूली पर उठे सवाल

आज ही रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया से 2.87 लाख करोड़ भारत सरकार ने ले लिए हैं। पिछले 12 साल में भाजपा सरकार ने आरबीआई के इमरजेंसी फंड से कुल 14 लाख करोड़ लिए हैं। यह पैसा भी जनता की सुरक्षा के लिए ही है। इसकी परवाह किए बगैर भाजपा सरकार ने 12 साल में कुल 57 लाख करोड़ (43 लाख करोड़+14 लाख करोड़) की वसूली की है।

कांग्रेस ने सिलेंडर लेकर किया प्रदर्शन

कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित इस धरने रोज प्रदर्शन में विधायक आदित्य सुरजेवाला भी मुख्य रूप से मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने रेहड़ी पर सिलेंडर रखकर प्रदर्शन किया और भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। इस अवसर पर हरियाणा कृषक समाज अध्यक्ष ईश्वर नैन और बीते विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी सतबीर दबलैन, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष लाजवंती ढिल्लों, रघुवीर भारद्वाज, धर्मवीर गोयत, बलजिंदर सिंह ठरवी, मनोज नचार, वरिष्ठ नेता बृजेंद्र सुरजेवाला, मनजीत सुरजेवाला, जगरूप सुरजेवाला, कैलाश सिंगला, भारतभूषण गर्ग, जियालाल गोयल, कृषक समाज जिला प्रधान बिंदर फरैण, बलबीर लोन, देवेंद्र सिंह मंटा, बिट्टू सेतिया, भरत सिंह मलिक, छन्ना राम सैनी, देवेंद्र जांगड़ा समेत बहुत से साथी मौजूद रहे।

सांसद सतपाल ने भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के खिलाफ की जा रही बयानबाजी पर जताया एतराज

- सांसद बोले, जो हुड्डा सालभर पहले तक अच्छे थे, अब अचानक बुरे कैसे हो गए

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

हरियाणा के एक नेता द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खिलाफ निरंतर की जा रही बयानबाजी पर एतराज करते हुए सोनीपत के सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि ये नेता जो भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ थे, वो काफी समय तक उनके कार्यों व व्यक्तित्व की तारीफों के पुल बांधते नजर आते थे और उनसे अनेकों बार राजनीतिक लाभ भी प्राप्त किया। सांसद ब्रह्मचारी ने सवाल किया कि जो हुड्डा साल भर पहले तक अच्छे थेए अब अचानक बुरे कैसे हो गए। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र हुड्डा हरियाणा के ही नहीं देश भर के किसानों के सर्वमान्य नेता हैं। उनका एक बड़ा गुण ये भी है कि वो अपने कट्टर विरोधी के खिलाफ भी कभी हल्के शब्दों का प्रयोग नहीं करते। हुड्डा के विरुद्ध बयानबाजी करने वाले इस नेता को सलाह देते हुए सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि उन्हें ऐसी आधारहीन बयानबाजी नहीं करनी चाहिए, इससे उनका खुद का ही नुकसान है। हरियाणा की जनता और कांग्रेस कार्यकर्ता ऐसी हल्की भाषा को कभी स्वीकार नहीं करते। हरियाणा में जो कांग्रेस भाजपा के मुकाबले मजबूती से खड़ी है। उसका श्रेय भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, दीपेन्द्र हुड्डा के साथ ही प्रदेश के लाखों कांग्रेस कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत को जाता है। सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा हरियाणा के लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं। भूपेंद्र हुड्डा के दादा चौधरी मातू राम हुड्डा स्वतंत्रता सेनानी, महान समाज सुधारक और आर्य समाजी थे। 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के बाद रोहतक में पहला सम्मेलन 12 अक्टूबर 1888 में हुआ। रोहतक कांग्रेस के संस्थापकों में इनके दादा चौधरी मातू राम एक रहे हैं। इनके पिता चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा अविभाजित पंजाब और हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे हैं।

ये किए कार्य

सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा को राजनीति विरासत में मिली और इस पारिवारिक राजनीति को इन्होंने ने अपने बेटे दीपेंद्र हुड्डा को राजनीति में उतार कर आगे बढ़ाया है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा के 10 वर्ष के शासनकाल की चर्चा करते हुए सोनीपत से सांसद ने बताया कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा सरकार के दौरान किसानों को उचित मुआवजाए मुफ्त बिजली जैसी सुविधाएंए और विशेष सिंचाई योजनाओं के माध्यम से खेती को लाभ का धंधा बनाने पर जोर दिया गया। उनके शासनकाल में प्रदेश का किसान वर्ग पूरी तरह से खुशहाल था। राज्य के त्वरित विकास, सड़कों के निर्माण और मेट्रो के विस्तार के जरिए हरियाणा को देश के अग्रणी राज्यों में शुमार किया गया। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र सिंह हरियाणा प्रति व्यक्ति आय, खेल शिक्षा के क्षेत्र में सबसे ऊपर था जबकि आज हरियाणा क्राइम में सबसे आगे है और बाकी सभी जगह वह पिछड़ रहा है।

बुजुर्गों के सम्मान से समाज होता है मजबूत

हरिभूमि न्यूज ⏭राजौंद

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्वविद्यालय की राजौंद शाखा द्वारा श्री पार्श्वनाथ गुरुकुल राजौंद में एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय 'संगमः गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन' रहा। इस दौरान संदेश दिया गया कि "सम्मान से बढ़े बुजुर्गों की शान, यही है भारत की सच्ची पहचान।" कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के समाज सेवा प्रभाग और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के बीच हुए एमओयू के तहत वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए यह राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक हमारे अतीत से जुड़ने की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और भविष्य के मार्गदर्शक भी हैं।

उनके अनुभव और मार्गदर्शन का सम्मान करना समाज का दायित्व है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज बच्चे पढ़ाई में अच्छे अंक प्राप्त कर रहे हैं, लेकिन इसके साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना भी अत्यंत आवश्यक है। जीवन में डिग्री के साथ मानसिक रूप से मजबूत होना जरूरी है, ताकि व्यक्ति हर परिस्थिति का सामना कर सके।

राजौंद। श्री पार्श्वनाथ गुरुकुल, राजौंद में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करती ब्रह्माकुमारी आशा दीदी। फोटो: हरिभूमि

पंचायत मंत्री पंवार बोले, हर गांव में दिख रहा बदलाव

- प्रदेश सरकार बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग के उत्थान के लिए कर रही कार्य : कृष्ण पंवार

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

सीवन क्षेत्र के गांव प्रेमपुरा में सरपंच परविंद्र सिंह के निवास पर हरियाणा सरकार के पंचायत मंत्री कृष्ण पंवार पहुंचे। जहां भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी व सरपंच प्रतिनीधि सतनाम सिंह ने उनका भव्य स्वागत किया। मंत्री कृष्ण पंवार ने कहा कि प्रदेश सरकार गांव, गरीब, किसान और मजदूर के हितों को सर्वोपरि मानकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा विकास, पारदर्शिता और जनसेवा की नई पहचान बन चुका है। प्रदेश सरकार बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले विकास केवल कागजों तक सीमित रहता था, लेकिन अब योजनाएं सीधे जनता तक पहुंच रही हैं और हर गांव में बदलाव साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल घोषणाएं करना नहीं, बल्कि धरातल पर विकास कार्यों को पूरा करना है। गांवों की सडक़ें, पेयजल व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य और किसानों से जुड़े मुद्दों पर तेजी से काम किया जा रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे सरकार की नीतियों और योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाएं ताकि आमजन को अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

कैथल। पंचायत मंत्री कृष्ण पंवार का स्वागत करते सरपंच परविंद्र सिंह व भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी। फोटो: हरिभूमि

सबका होगा विकास

मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने राजनीति की दिशा बदलने का काम किया है। अब सत्ता सेवा का माध्यम बनी है और जनता का विश्वास ही सरकार की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकास की यह रफ्तार आगे भी लगातार जारी रहेगी और किसी भी क्षेत्र को विकास से अछूता नहीं रहने दिया जाएगा।

जुलाना के दो छात्रों का एनआईटी में हुआ चयन, कस्बे में खुशी का माहौल

जुलाना। जुलाना क्षेत्र के दो होनहार छात्रों का नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) में चयन होने से कस्बे और आसपास के गांवों में खुशी का माहौल है। पौली गांव निवासी दीपांशु और जुलाना निवासी रूद्र रोहिल्ला ने 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करते ही पहले ही प्रयास में जेईई मेन्स परीक्षा पास कर एनआईटी में प्रवेश हासिल किया है। दोनों छात्रों की इस उपलब्धि से उनके परिवारों, शिक्षकों और क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल बना हुआ है। दोनों छात्र कस्बे की ए प्लस अकेडमी के नियमित विद्यार्थी रहे हैं। अकादमी पहुंचने पर शिक्षकों और विद्यार्थियों ने फूलमालाएं पहनाकर तथा मिठाई खिला कर उनका जोरदार स्वागत किया। संस्था के डायरेक्टर मोनू शर्मा ने कहा कि हर बच्चे में कोई न कोई प्रतिभा जरूर होती है। कोई भी बच्चा पढ़ाई में कमजोर नहीं होता बल्कि उसे सही मार्गदर्शनए उचित दिशा और अच्छा माहौल मिलने की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि मेहनत और अनुशासन के बल पर छात्र बड़ी से बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं।

29 मई को रोडवेज कर्मचारी देंगे धरना

- 25 जुलाई को परिवहन मंत्री के अंबाला छावनी निवास का रोडवेज कर्मचारी करेंगे घेराव

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

रोडवेज विभाग में चालक, परिचालक व बसों की मरम्मत के लिए मैकेनिक, हैल्पर, वॉशिंग ब्वाय, सफाई कर्मचारियों के हजारों खाली पड़े पदों पर भर्ती करवाने एवं मानी गई मांगों को लागू करवाने के लिए 29 मई को प्रदेश के सभी डिपो में एक दिवसीय धरना दिया जाएगा। हरियाणा रोडवेज कर्मचारी यूनियन हरियाणा संबंधित हरियाणा कर्मचारी महासंघ की बैठक जींद डिपो के यूनियन कार्यालय में डिपो प्रधान राममेहर रेढू की अध्यक्षता में संपन्न हुई और मंच संचालन नीतीश शर्मा ने किया।

जींद। बैठक में भाग लेते हुए रोडवेज कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

रोडवेज निजीकरण और ठेके की बसों पर उठे सवाल

बैठक में कार्यकारी राज्य प्रधान अनूप लाठर ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए बताया कि प्रदेश सरकार रोडवेज विभाग का निजीकरण करके पूंजीपतियों के हाथों में सौंप रही है। प्रदेश सरकार प्रदेश की जनसंख्या अनुसार सरकारी बसों की बढ़ोत्तरी न करके महंगी दरों पर ठेके की इलेक्ट्रिक बसों को बेड़े में शामिल कर रही है। जिससे रोडवेज विभाग को बहुत घाटा हो रहा है। इन बसों में बुजुर्गों, छात्र व छात्राओं व आम जनता को सरकार की ओर से रोडवेज की सरकारी बसों में दी जाने वाली फ्री एवं रियायती दरों पर सुविधायो का लाभ भी नहीं दिया जा रहा है। इन बसों की मांग न तो प्रदेश की जनता द्वारा की गई है और ना ही रोडवेज विभाग के कर्मचारियों की ओर से की गई है। जिन डिपो में ठेके की इलेक्ट्रिक बसों का संचालन करवाया जा रहा है। उन डिपो में रोडवेज विभाग के सरकारी परिचालकों को इन इलेक्ट्रिक ठेके की योजना की बसों पर लगाया जा रहा है।

शिक्षकों को छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर मिला प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

सिल्वर आक इंटरनेशनल स्कूल कैथल के प्रांगण में शिक्षकों हेतु विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन एवं सकारात्मक वातावरण निर्माण के प्रति जागरूक एवं प्रशिक्षित करना था। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में गुरप्रीत कौर एवं पिंकी उपस्थित रहीं। इस कार्यशाला में प्रतिभागी की संख्या लगभग 60 है । उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों में तनाव, व्यवहारिक परिवर्तन एवं भावनात्मक आवश्यकताओं को समझने तथा उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान करने के प्रभावी उपाय बताए। गतिविधियों एवं संवादात्मक सत्रों के माध्यम से कार्यशाला को अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक बनाया गया।

स्वास्थ्य को समझना आज की जरूरत

विद्यालय की प्रधानाचार्या रेणु अनेजा ने कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा प्रदान करने वाले नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्रोत भी होते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को समझना और उन्हें सकारात्मक वातावरण प्रदान करना आज के समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। कार्यशाला में सीबीएसई के मानदंड का पालन किया गया।

गांव बड़नपुर में गंदे पानी की निकासी की समस्या का हुआ समाधानः जोगिन्द्र श्योकंद

नरवाना। गांव बड़नपुर में पिछले तीन महीने से चली आ रही गंदे पानी की निकासी की समस्या को लेकर धरने पर बैठे ग्रामीणों की भूख हड़ताल एसएचओ कमल सिंह ने जूस पिलाकर खत्म करवाई। पूर्व सरपंच डॉ0 जोगिन्द्र बड़नपुर ने प्रैस के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि लम्बे समय से चली आ रही गंदे पानी की समस्या का समाधान होने से सभी ग्रामीणों को राहत मिली है क्योंकि गंदा पानी जमा होने के कारण गांव में बीमारियां फैलनी शुरू हो गई थी। भूख हड़ताल पर बैठे कलवंत श्योकंद, रामकला, सता श्योकंद, कामरेड सुरेश व कर्मवीर ने केबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, एसडीएम नरवाना, बीडीपीओ उचाना व प्रशासनिक अधिकारियों का धन्यवाद व्यक्त किया। कलवंत श्योकंद ने बताया कि 12 दिनों के अटूट संघर्ष के बाद पानी निकासी की समस्या से निजात मिली है। सता श्योकंद ने कहा कि पानी निकासी होने से तीनों विद्यालयों के बच्चों व अध्यापकों को भी बड़ी राहत मिलेगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जींद
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

कार्यक्रम | नव चयनित छात्र परिषद ने ली कर्तव्यनिष्ठा और नेतृत्व की शपथ

कक्षा पांचवीं से बारहवीं तक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया

मोतीलाल नेहरू विद्यालय में अलंकरण समारोह से निखरा नेतृत्व और अनुशासन

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय के प्रांगण में भव्य एवं गरिमामय अलंकरण समारोह का आयोजन बड़े उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। इस समारोह में कक्षा पांचवी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय परिसर देशभक्ति, अनुशासन और नेतृत्व की भावना से सराबोर दिखाई दिया। समारोह का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, जिम्मेदारी, अनुशासन तथा सेवा भावना का विकास करना था ताकि वे भविष्य में एक आदर्श नागरिक के रूप में देश और समाज का नाम रोशन कर सकें। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंध समिति अध्यक्ष संदीप दहिया तथा विद्यालय के प्राचार्य रविंद्र कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ ही पूरे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा का संचार हुआ। इसके उपरांत सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गईए जिसने समारोह को आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक गरिमा प्रदान की। अलंकरण समारोह के अंतर्गत छात्र परिषद के विभिन्न पदों के लिए चयनित विद्यार्थियों को सम्मानपूर्वक नियुक्त किया गया।

जींद। अलंकरण समारोह में बच्चों के साथ स्कूल प्रबंधन सदस्य। फोटो: हरिभूमि

आज के विद्यार्थी ही देश का भविष्य

इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंध समिति के अध्यक्ष संदीप दहिया ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अलंकरण समारोह केवल पद प्रदान करने का कार्यक्रम नहींए बल्कि विद्यार्थियों को जिम्मेदारी, नेतृत्व और सेवा की भावना सिखाने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही देश का भविष्य हैं और उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन की चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करने, अनुशासन का पालन करने तथा समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने के लिए प्रेरित किया और कहा कि एक सच्चा नेता वही होता है जो दूसरों की सहायता करने के साथ-साथ स्वयं भी अनुशासित और संवेदनशील हो।

27 को कार्यक्रम में विधायक देवेंद्र को करेंगे सम्मानित

उचाना। मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेंद्र खरकभूरा, वाइस चेयरमैन प्रवीण गर्ग ने बताया कि जो आभार कार्यक्रम 25 मई को होना था वो विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री की व्यस्थता के चलते 27 मई को आयोजित होगा। गेहूं की खरीद प्रक्रिया से लेकर उठान तक बेहतर पुख्ता प्रबंधन होने मार्केट कमेटी कार्यालय में आभार कार्यक्रम आयोजित होगा। विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेंद्र खरकभूरा, वाइस चेयरमैन प्रवीण गर्ग ने बताया कि इस बार गेहूं के नए नियमों के चलते विपक्ष किसान, आढ़तियों को बहकाने के लिए भ्रामक प्रचार किया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 24 मई 2026

जीवन की दिशा बदल देगा
जापानी मेनीफेस्टेशन

जापानी संस्कृति अपनी विशिष्ट जीवनशैली और अनूठे दर्शन के लिए पूरी दुनिया में जानी जाती है। यहां पर मेनीफेस्टेशन को केवल इच्छा पूर्ति का साधन ही नहीं, बल्कि अनुशासन, कृतज्ञता और ब्रह्मांड के साथ तालमेल बिठाने की एक कला भी माना जाता है। इसमें कई ऐसी कारगर तकनीकें अपनाई जाती हैं, जो आपके जीवन को पूरी तरह सकारात्मक दिशा में मोड़ देती हैं। इनमें से कुछ तकनीकों के बारे में जानिए।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

एक मशहूर जापानी कहावत है- 'सात बार गिरो, आठ बार उठो।' इससे ही साबित होता है कि जापानी संस्कृति और जीवनशैली में कितनी सकारात्मकता शामिल है। जापानी जीवनशैली और दर्शन में जीवन की धारा बदलने के लिए मेनीफेस्टेशन के नायाब और बेहतरीन तरीके मौजूद हैं। जापानी मेनीफेस्टेशन को इच्छा पूर्ति का साधन मात्र नहीं माना जाता है। यह जीवन में संतुलन बनाने और तालमेल बिठाने की एक कला सिखाता है। जापानी मेनीफेस्टेशन तकनीकें हमें सिखाती हैं कि सपने देखना केवल पहला कदम है। उन सपनों को अनुशासन, कृतज्ञता और धैर्य के साथ सींचना ही असली कला है। कह सकते हैं कि मेनीफेस्टेशन का असली जादू, हार न मानने वाले जज्बे में छिपा होता है।

क्या है जापानी मेनीफेस्टेशन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर व्यक्ति अपने सपनों को साकार करना चाहता है। उसके लिए हर संभव प्रयास करता है। पश्चिमी देशों में 'लॉ ऑफ अट्रैक्शन' की चर्चा जोरों पर है। लेकिन इसके विपरीत पूर्व में, विशेषकर जापान में, इच्छा पूर्ति के लिए सदियों पुराने ऐसे तरीके मौजूद हैं, जो न केवल प्रभावी हैं बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण में भी मदद करते हैं। जापानी मेनीफेस्टेशन तकनीकें केवल सोचने पर नहीं, बल्कि हमारे प्रयास करने और सपने साकार होने के गहरे संतुलन पर आधारित होती हैं। यहां जापानी मेनीफेस्टेशन से जुड़ी कुछ पद्धतियों के बारे में बता रहे हैं।

योशुकु करें सफलता का पूर्वाभास

यह एक प्राचीन जापानी तकनीक है, जिसे प्री सेलिब्रेशन के रूप में जाना जाता है। इसका मूल सिद्धांत यह है कि आप अपनी सफलता की खुशी पहले ही मना लें, ताकि उसे हकीकत में बदला जा सके। जापानी संस्कृति में यह माना जाता है कि 'भविष्य को वर्तमान में जीना' सफलता को आकर्षित करता है। यह उस भावना को पूरी तरह महसूस करने के बारे में है, जो आपको लक्ष्य प्राप्त करने के बाद होगी। इसमें कहा जाता है कि सबसे पहले स्पष्ट करें कि आप क्या हासिल करना चाहते हैं? इसके बाद इमेजिन करें कि वह सफलता आपको प्राप्त हो चुकी है। इसे रियल फील करने के लिए अपने दोस्तों या परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के साथ एक छोटी-सी पार्टी करें, दूसरों की 'बधाई' स्वीकार करें। आंखें बंद करें और इमेजिन करें कि आप क्या पहन रहे हैं, कौन आपके पास है और आप कैसा महसूस कर रहे हैं? फिर ब्रह्मांड को 'धन्यवाद' कहें जैसे कि काम पहले ही पूरा हो चुका है। या फिर अपनी डायरी में आज की तारीख डालें और लिखें, 'आज मैंने अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया और मुझे बहुत खुशी हो रही है।' योशुकु दिमाग की प्रोग्रामिंग को प्रभावित करता है। यह आपके अवचेतन मन को सफलता के लिए ट्यून करता है। जब आप पहले ही 'जीत' महसूस करते हैं, तो असफलता का डर खत्म हो जाता है।

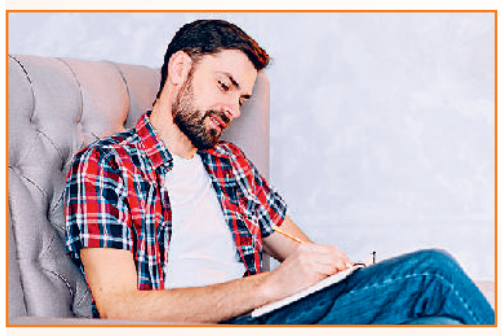

अरिगातो व्यक्त करते रहें कृतज्ञता

जापानी संस्कृति में 'कृतज्ञता' को सबसे बड़ी ऊर्जा माना गया है। 'अरिगातो' यानी धन्यवाद शब्द में जापानी लोग जादू मानते हैं। इस दर्शन के तहत मेनीफेस्टेशन की खास एक तकनीक है-'पैसों को धन्यवाद देना'। जब आप पैसे खर्च करते हैं, तो मन ही मन उसे 'अरिगातो' कहें ताकि वह समाज में खुशी फैलाए। जब पैसे आएं, तब भी 'अरिगातो' कहें। यह सकारात्मक ऊर्जा का एक चक्र बनाता है, जो प्रचुरता को आकर्षित करता है। आप स्वयं को संपन्न मानकर ज्यादा आत्मविश्वास के साथ काम करते हैं।

कइजन हर दिन सीखें नई तकनीक

मेनीफेस्टेशन केवल कल्पना करना नहीं होता है। कइजन तकनीक कहती है कि हर दिन केवल 1 प्रतिशत सुधार करें। अगर आप अमीर बनना चाहते हैं, तो हर दिन धन प्रबंधन के बारे में एक छोटी-सी ही सही कोई उपयोगी बात या तरीका सीखें। यह निरंतरता आपके अवचेतन मन को विश्वास दिलाती है कि आप बदल रहे हैं, और यही विश्वास हकीकत को बदल देता है।

कहने का सार है कि जापानी जीवनशैली और संस्कृति, मेनीफेस्टेशन के जरिए जीवन की धारा सकारात्मक दिशा में मोड़ने के लिए प्रेरित करती है। *

दारुमा गुड़िया संकल्प की दिलाए याद

दारुमा गुड़िया जापान की सबसे प्रसिद्ध मेनीफेस्टेशन तकनीकों में से एक है। यह लाल रंग की गोल गुड़िया होती है, जिसकी आंखें खाली यानी सफेद होती हैं। जब आप कोई बड़ा लक्ष्य निर्धारित करते हैं, तो दारुमा की बाईं आंख को काले रंग से भरते हुए अपनी इच्छा दोहराएं। अब इस गुड़िया को घर के किसी ऐसे कोने में रखें, जहां आपकी नजर बार-बार पड़े। जब वह लक्ष्य पूरा हो जाए, तब इसकी दूसरी (दाईं) आंख को काले रंग से भरें। यह तकनीक हमें लगातार हमारे संकल्प की याद दिलाती रहती है।

एमा ब्रह्मांड को अपनी इच्छा सौंपने की तकनीक

एमा एक तरह की प्रार्थना पट्टिकाएं होती हैं। जापानी मंदिरों (शिंतो मंदिरों) में लकड़ी की पट्टिकाएं लगी होती हैं, जिन्हें एमा कहा जाता है। लोग इन पर अपनी इच्छाएं लिखकर मंदिर में टांग देते हैं। यह आत्मसमर्पण की प्रक्रिया है। अपनी इच्छा को लिखकर ब्रह्मांड (या ईश्वर) को सौंप देना तनाव को खत्म करता है और आत्मविश्वास बढ़ाता है। जिससे मेनीफेस्टेशन की गति बढ़ जाती है।

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि हमारी वर्तमान पहचान, हमारे अतीत पर टिकी होती है। यह इस बात पर निर्भर करती है कि हम अपनी स्मृतियों से कितना जुड़े हैं, उसे कितना मान देते हैं। आज तकनीक हमें अपने अतीत, रिश्तों और संवेदनाओं से निरंतर दूर कर रही है। ऐसे में स्मृतियों को संजोने का संकट खड़ा हो गया है।

स्मृतियां ही संजोती हैं यादें-रिश्ते-विरासत

{ जीवनशैली / लोकमित्र गौतम }

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में जहां लोग भविष्य की दौड़ में लगातार आगे बढ़ रहे हैं, वहीं पीछे छूटती स्मृतियां हमें बार-बार यह याद दिलाती हैं कि बिना जड़ों के कोई भी वृक्ष लंबे समय तक हरा-भरा नहीं रह सकता। बचपन की शरारतें, बुजुर्गों की सीखें, संघर्षों की कहानियां, देश के इतिहास की गौरव गाथाएं और अपनों के साथ बिताए छोटे-छोटे पल, ये वो धरोहरें हैं, जो इंसान को अंदर से संपन्न बनाती हैं। वास्तव में स्मृतियां ही हर सभ्य समाज की सांस्कृतिक और भावनात्मक पूंजी होती हैं। जिस समाज की अपनी स्मृतियां जीवित रहती हैं, उसकी संवेदनाएं भी जीवित रहती हैं।

तस्वीरों से नहीं रहा भावनात्मक जुड़ाव: आज का डिजिटल युग स्मृतियों को एक अजीब से मोड़ पर ले आया है। हमारे हाथ में मौजूद मोबाइल फोन में एक ही समय पर लाखों तस्वीरें मौजूद होती हैं। जबकि पिछली सदी के श्याम-श्वेत जमाने में लोग कुछ फोटोज को हमेशा अपने सीने से लगाए रहते, उससे जुड़ी यादों के सहारे कभी हंस तो कभी रो लिया करते थे। एक दौर था, जब हमारे पास कई सारी तस्वीरें होना बहुत बड़ी खुशी देने वाली बात होती थी। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब शायद ही कोई व्यक्ति हो, जिसके मोबाइल में अपनी और अपनों की बेशुमार तस्वीरें न हों। लेकिन शायद ही उन तस्वीरों से कोई भावनात्मक जुड़ाव महसूस होता हो, जैसे पहले होता था। तस्वीरों को लेकर स्मृतियों का गायब होना या तस्वीरों को लेकर हमारे दिलोदिमाग में कोई खास पल, कोई खास मौका याद न आना, इस बात का सबूत है कि अब तस्वीरें हमारे जेहन में अपनी वैसी जगह नहीं बनातीं, जैसे पहले बनाया करती थीं।

स्मृतियां बनाती हैं संवेदनशील: स्मृतियां व्यक्ति को एक संवेदनशील नागरिक बनाने में भी महत्ती भूमिका निभाती हैं। बचपन के दिन, गांव की गलियां, मां के साथ जुड़ी अनगिनत स्मृतियां, दादा-दादी की कहानियां, शिक्षकों की सीखें और ऐतिहासिक घटनाओं के एहसास से बनी स्मृतियां वाकई यही सब चीजें होती हैं, जो हमें एक बेहद संवेदनशील मनुष्य बनाती हैं। जब कोई व्यक्ति अपनी स्मृतियों से कट जाता है, तो वह अपने मूल से अपने जीवन के सबसे गहन हिस्से से कट जाता है। इसलिए राष्ट्रीय स्मृति दिवस हमें अपनी जड़ों से और अपने मूल से जुड़ने की प्रेरणा देता है।

स्मृतियों की सांस्कृतिक महत्ता: जब हम अपनी उपलब्धियों और संघर्षों को याद करते हैं, तब हम केवल इतिहास से नहीं गुजर रहे होते हैं, बल्कि अपने वर्तमान को भी मजबूत बना रहे होते हैं। हमारे अपने देश भारत में तो स्मृतियों का और भी गहरा महत्व है, क्योंकि हमारी समृद्ध विरासत लिखित होने से ज्यादा मौखिक है। लोककथाएं, लोकगीत, रामायण, महाभारत की कथाएं, गांवों और खेड़ों की दास्तानें, हमारे यहां पीढ़ी दर पीढ़ी ये स्मृतियां अगली पीढ़ियों को मिलती रहती हैं। यही कारण है कि भारतीय समाज में स्मरण को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व तक दिया गया है।

प्रदान करती हैं भावनात्मक शक्ति: आज के समय में स्मृतियों का एक और महत्व है, क्योंकि आज हम उन्हें मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी देखते हैं। सकारात्मक यादें, हर इंसान को भावनात्मक शक्ति देती हैं। परिवार के साथ बिताए गए मधुर क्षण, मित्रों की संगति या किसी प्रेरणादायक घटना की स्मृति, हमारे कठिन समय का सहारा होती है, क्योंकि उसमें सामाजिक जुड़ाव और भावनात्मक संतुलन की मजबूती होती है। हालांकि हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि स्मृतियों का संबंध केवल सुखद अनुभव और यादों से ही नहीं होता है। इतिहास की त्रासदियां भी इंसान के सामूहिक स्मृति का हिस्सा होती हैं। युद्ध, महामारी, विभाजन या प्राकृतिक आपदाएं, मुनष्य को न केवल गहरे तक झकझोरती हैं बल्कि लंबे समय के लिए एक टीस हो जाती हैं। फिर इन्हें याद रखना इसलिए जरूरी होता है ताकि हम भविष्य में ऐसी गलतियों को न दोहराएं।

इसलिए जरूरी है अपनी स्मृतियों से जुड़ाव: अपनी स्मृतियों से जुड़ाव बनाए रखना इस दृष्टि से नई पीढ़ी के लिए विशेष रूप से प्रभावी है, क्योंकि बच्चों और युवाओं में अपने परिवार और समाज के प्रति जो संवेदनशीलता और सामाजिक जुड़ाव का भाव आता है, वह इन स्मृतियों का ही नतीजा होता है। दादा-दादी की जीवन यात्राएं, पुराने संघर्षों की कहानियां और पारिवारिक परंपराएं, युवा पीढ़ी को जीवन के गहरे अर्थ समझाने में मदद करती हैं। लेकिन राष्ट्रीय स्मृति दिवस हमें यह भी सिखाता है कि आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन बनाना भी बहुत जरूरी है। तकनीक का इस्तेमाल स्मृतियों को सहेजने के लिए तो किया जा सकता है, लेकिन अगर इसी तकनीक की चकाचौंध के गुलाम बने रहे, तो स्मृतियों को बनने का मौका नहीं मिलता।

तकनीक का हो संतुलित इस्तेमाल: आज की युवा पीढ़ी की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वह अपने दिन का बहुत बड़ा समय, अपने मोबाइल फोन के साथ अकेले में गुजारते हैं। स्मृतियों पर यह बहुत बड़ा हमला है। जब हम अपने दिन का ज्यादातर खाली समय मोबाइल फोन को दे देंगे, तो भला हमारी याद रह जाने वाली स्मृतियां कब बनेंगी, किससे बनेंगी? इसलिए स्मृतियों के संबंध में तकनीक का अंधाधुंध इस्तेमाल थोड़ा फायदा लेकिन बहुत ज्यादा नुकसान भी देता है। क्योंकि भावनाओं का स्थान कभी तकनीक नहीं ले सकती। इसलिए हमें ध्यान रखना चाहिए कि तकनीक हमारे जीवन में इतनी अधिक हावी न हो जाए कि जो हमसे हमारी स्मृतियों को ही दूर करने लगे। *

{ दोहे / डॉ. शरद नारायण खरे }

दिन बरसाता आग

सूरज आतिश बन गया, तपे नगर सब गांव।
जीवों में अकुलाहटें, ढूंढ़ रहे सब छांव।।
लू चलती है गति लिए, बिलख रहा इंसान।
सब नदियों से छिन गई, अब बस सारी आन।।
चाबुक सड़कों पर चले, आतंकित हर एक।
दिनकर के तो आजकल, नहीं इरादे नेक।।
कूलर, पंखे हंस रहे, शीतलता का मान।
मटके ने इस पल 'शरद', पाया नवल विहान।।
किरणें ना किरणें लगें, बरस रही है आग।
बचना तुम चाहे अगर, तो लो बचकर भाग।।
कंबल अब बेकार हैं, बिरथा ऊनी वस्त्र।
किरणें हमले कर रहीं, बनकर नित ही शस्त्र।।
नीर सरीखा बह रहा, तन से बेहद स्वेद।

इस मौसम में हो रहा, हर इक जन को खेद।।
बिजली लगती है सुखद, जिससे झरती शीत।
हम तुम, सब ही कष्ट में, सुन लो मेरे मीत।।
सुबह हमें लगती भली, दिन बरसाता आग।
फिर जी-भर फुंफकारता, आतप का तो नाग।।
नीर गिरे आकाश से, देखे मानव राह।
पर अब इस पल जग रही, हर दिल से ही आह।।

{ व्यंग्य / डॉ. मुकेश असीमित }

सड़क का दर्शनशास्त्र

सड़क का भी एक दर्शन होता है, खासकर उस सड़क का, जो खुद सड़कछाप हो। वह सड़क जो कहीं टिककर नहीं रहती, हर मोहल्ले, हर मोड़, हर चुनावी वादे में आवारगी करती मिल जाती है। आजकल ऐसी सड़कें खूब चलन में हैं। चलन में इसलिए कि चलने लायक कम और दिखने लायक ज्यादा होती हैं।

सड़क साम्यवाद का जीवंत, धूल-धूसरित उदाहरण है। यहां गधे और घोड़े एक ही ताल में चलते हैं। कभी-कभी तो पहचान ही गड़बड़ा जाती है कि कौन-सा किस श्रेणी में है। पशु, पक्षी, मानव सबको सड़क समान भाव से अपनाती है। सड़क सबकी मां है। अब अगर मां की गोद में बैठकर कोई पूछे कि गधे-घोड़े का फर्क क्यों नहीं दिख रहा, तो इसमें मां का क्या दोष! सड़क तो बस बनी है आओ, चलो, दौड़ो, गिरो, रौंदो, जो लिखा लाए हो, वही होगा। आप सड़क पर हैं या सड़क पर लाए गए हैं, यह नियति का मामला है, सड़क का नहीं।

सड़क और संसद का रिश्ता भी बड़ा दार्शनिक है। आदमी कब सड़क से संसद पहुंच जाए और कब संसद से सड़क पर लौट आए, कहा नहीं जा सकता। जनता सड़क के रास्ते ही नेताओं को संसद का पता देती है और उसी रास्ते से वापसी का न्योता भी। इसलिए सड़क है तो संभावनाएं हैं धरने की, हड़ताल की, रैली की, जाम की और कभी-कभी नंगे नाच की भी। सड़क लोकतंत्र की खुली प्रयोगशाला है।

सड़क है तो गड्ढे हैं। गड्ढे हैं तो मरम्मत है। मरम्मत है तो बजट है। बजट है तो फाइलें हैं। फाइलें हैं तो अफसर का चूल्हा जलता है। सड़क सरकार का बहुउद्देशीय औजार है। शौचालय, पेशाबघर और कचरा निस्तारण की कई योजनाओं से बचा लेती है। लोग सड़क पर ही अभ्यास कर लेते हैं, और सड़क 'राइट एट योर डोरस्टेप' कचरा सेवा दे देती है बिना टेंडर, बिना उद्घाटन।

कोरोना के दिनों में जब सड़कें सूनी हुईं, तो उन्हें भी बुरा लगा। पर जल्दी ही फैक्ट्री मालिकों ने मजदूरों को निकाला और सड़कें फिर गुलजार हो गईं। मजदूरों के रेलों ने सड़कों को धन्य कर दिया, मां की गोद फिर भर गई।

सड़कें हैं तो एक्सीडेंट हैं। ट्रैफिक पुलिस का डंडा अभियान निरंतर है। चालान से जेबें भी फुल टॉस फूल रही हैं। सड़कें हैं तो फुटपाथ हैं, और फुटपाथ हैं तो उन पर सोते लोग। वरना नशे में धुत्त रईसों को कुचलने के लिए लोग मिलेंगे कहां? सड़कें ही तो हैं जो रील और सेल्फी प्रेमियों की कर्मभूमि हैं, जहां जोखिम जितना बड़ा, व्यू उतने ज्यादा।

सड़कें हैं तो सड़कछाप गुंडे भी हैं। राजनीति की प्रारंभिक पाठशाला यही है। रेहड़ियों से शुरू हुई हफ्तावसूली आगे चलकर बड़े घोटालों का पाठ्यक्रम बनती है। सड़क कैडर तैयार करती है, छुटभैये से गैंगस्टर तक।

आजकल सड़कों पर ध्यान कम है। ध्यान दें भी तो कैसे, सड़कें बड़ी बेवफा हैं। बनाई नहीं कि उखड़ने को तैयार। इतना भी सब्र नहीं कि एक चुनावी कार्यकाल पूरा हो जाए। मरम्मत का बजट पास होते-होते नेता बदल जाता है और क्रेडिट कोई और ले जाता है। समाधान सरल है हर नेता अपने नाम की सड़क बनवाए। चुनाव हार जाए तो सड़क उठाकर घर ले जाए।

सड़कें मां जैसी ही होती हैं। पान की पीक, कचरा, मल-मूत्र सब समेट लेती हैं, बिना शिकायत। अब प्रश्न उठता है मां तो सड़क है, बाप कौन? जब भी सड़क पर वाहन चालकों के बीच बहस या हाथापाई की नौबत आती है तो पहला सवाल यही पूछा जाता है, 'सड़क तेरे बाप की है क्या?' पर बाप का पता आज तक नहीं चला। मिलते ही इसकी सूचना दी जाएगी।

कभी-कभी सड़कें उधड़ती हैं ताकि शहर को ग्रामीण जीवन की झलक मिल सके कंक्रीट, धूल, मिट्टी, जमीन से जुड़े रहने का प्रशिक्षण। चिकनी सड़क पर खेलेंगे तो बच्चों की इम्युनिटी कैसे बनेगी?

सड़कें पतित-पावनी भी हैं, मोक्षदायिनी भी। प्राचीन योगियों की परंपरा आज सड़कें निभा रही हैं। कहीं दुर्गम, कहीं अदृश्य, कहीं कीचड़, कहीं खाई। हैं भी, नहीं भी-ब्रह्मस्वरूप। फाइलों में हैं, वादों में हैं, पर चलने में अकसर नहीं। न शुरुआत दिखती है, न अंत। कोई पूछे, 'यह सड़क कहां जाती है?' भाग्यशाली हैं वे जिनकी जाती है। यहां तो सालों से देख रहे हैं नजर ही नहीं आती।

सड़कें वही हैं जहां चाहो मोड़ लो, बिना शिकायत। और अगर सरकारी बजट की हों, तो नेता जी उन्हें अपने बंगले तक भी ले जा सकते हैं। सड़कछाप सड़क बस महसूस करने की चीज है। मानने की, जानने की नहीं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

सामाजिक बदलाव की कहानियां

वरिष्ठ कथाकार कैलाश बनवासी का आठवां कथा संग्रह 'हवा बहुत तेज है' हाल में प्रकाशित होकर आया है। इसमें संकलित ग्यारह कहानियों में मध्य वर्गीय जीवनशैली के विभिन्न स्तरों में हाल के वर्षों में हुए बाहरी ही नहीं आंतरिक बदलावों की भी सूक्ष्म पड़ताल की गई है। शीर्षक कहानी 'हवा बहुत तेज है' के मुख्य पात्र जगन्नाथ बाबू अपने आस-पास के बदलावों, सामाजिक बहुरूपिएपन, नई पीढ़ी की सोच के बीच विस्मित नजर आते हैं तो अभूतपूर्व छल के समय में सामान्य सी ईमानदारी भी कितनी असामान्य लगती है, इसे 'एक पुराना आदमी' कहानी में प्रकट किया गया है। बाजारवाद के प्रभाव को 'दाग अच्छे हैं' कहानी में व्यक्त किया गया है। संग्रह की सभी कहानियां ठहरकर विचार करने को बाध्य करती हैं। *

पुस्तक: हवा बहुत तेज है (कहानी संग्रह), लेखक: कैलाश बनवासी,
मूल्य: 299 रुपए, प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

{ लघुकथा / डॉ. यशोधरा भटनागर }

गूंज

दरवाजा खुलते ही रात का अंधियारा मंगलू के साथ घर में घुस आया था। कच्चे-पक्के घर में चूल्हे के गहरे स्लेटी धुएं में लालटेन की रोशनी अपना प्रकाश फैलाने के लिए जूझ रही थी।

'छुटका.. ऐ छुटका! ऐ कमली..! कितै को मर गए रे सब कै सब?' लड़खड़ाते कदमों से घर में घुसते हुए मंगलू चीखते हुए बोला।

एक तीखी गंध पूरे घर में पसर गई।

आठ बरस का दीपू कमरे की कच्ची दीवार से चिपका सहमा हुआ उसे देख रहा था।

मंगलू ने जेब से आधी भरी बोतल निकाली और जोर से चिल्लाया, 'का देख रया है बे! दौड़ कै एक गिल्लास लाओ हमाए लाने।'

कुछ पल बाद दीपू स्टील का गिलास मंगलू के हाथ में थमाते हुए बोला, 'बापू, आज स्कूल में टीचर ने पूछो हतो कि हम बड़े होकर का बनेहैं?'

मंगलू ने उसको चपतियाते हुए पूछा, 'तुमने का कहौ फिर?' दीपू थोड़ी देर चुप खड़ा रहा फिर अपनी पूरी हिम्मत बटोर कर बोला, 'बापू हमने कह दओ कि हम बड़े होकर तुमाओ जैसा नहीं बनहैं।'

'टन्न...!'

टन्न की यह जोरों की गूंज, घर की कच्ची दीवारों में समा गई।

दरअसल, मंगलू ने गिलास सामने रखे खाली कनस्तर पर दे मारा था।

मंगलू ने गुस्से से दीपू की ओर देखा, बेटे की आंखें आईने की तरह साफ थीं। इन आंखों में उसे खुद का विकृत चेहरा साफ नजर आ रहा था। *

परंपरा-संस्कृति का मोहक आयोजन
तमिलनाडु का येरकौड उत्सव

दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु अपनी संस्कृति, परंपरा और लोकपर्वों के लिए मशहूर है। राज्य पर्यटन विभाग द्वारा हर वर्ष आयोजित होने वाला येरकौड उत्सव भी इन्हीं सांस्कृतिक आयोजनों में से एक है। यहां पर्यटक विभिन्न तरह के अनुभवों का आनंद ले सकते हैं। इस उत्सव की खासियतों पर एक नजर।

{ सांस्कृतिक उत्सव
धीरज बसाक }

दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु के सलेम जिले में स्थित एक प्रसिद्ध हिल स्टेशन है-येरकौड। समुद्र तल से 1500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हिल स्टेशन, शेवरॉय पहाड़ियों पर बसा है, जहां कॉफी, मसालों, फूलों और फलों की शानदार और सघन खेती होती है। धुंध से ढंकी पहाड़ियों व झीलों के लिए मशहूर पर्वतीय नगर येरकौड सिर्फ अपनी प्राकृतिक सुंदरता और फल-फूलों की खेती के लिए ही नहीं जाना जाता बल्कि यह जनजातीय संस्कृति, लोकनृत्य, पारंपरिक संगीत और स्थानीय हस्तशिल्प का भी गढ़ है। ये सब खूबियां मिलकर इस क्षेत्र को सांस्कृतिक रूप से बेहद समृद्ध बनाती हैं। यहां की इन्हीं खूबियों को देश-दुनिया के सामने लाने के लिए हर साल येरकौड उत्सव मनाया जाता है। आमतौर पर मई महीने के अंतिम सप्ताह में मनाया जाने वाला यह रंगीन-सांस्कृतिक उत्सव इस साल 22 मई से शुरू हो चुका है और 28 मई 2026 तक आयोजित होगा।

सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का माध्यमः इस उत्सव की शुरुआत तमिलनाडु पर्यटन विभाग और स्थानीय प्रशासन ने मुख्यतः दो उद्देश्यों से की थी। पहला येरकौड की सांस्कृतिक पहचान और स्थानीय परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए तथा दूसरा, पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए। धीरे-धीरे यह आयोजन केवल पर्यटकों को लुभाने वाला उत्सव ही नहीं रहा बल्कि स्थानीय लोगों की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का प्रमुख मंच बन गया। आज इस उत्सव से जुड़कर सैकड़ों कलाकारों, किसानों, जनजातीय समुदायों, हस्तशिल्पियों, लोकनर्तकों और संगीतकारों की भी न केवल पहचान बनी है बल्कि यह उनकी समृद्धि का जरिया भी बना है। सिर्फ येरकौड की स्थानीय संस्कृति ही नहीं, तमिलनाडु की सांस्कृतिक पहचान को चमकदार बनाने में भी येरकौड उत्सव ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। येरकौड का सांस्कृतिक उत्सव शेवरॉय पहाड़ियों में रहने वाली जनजातियों की सांस्कृतिक आत्मा है।

लोकनृत्यों का भी होता है आयोजन

उनके लोकनृत्य, उनकी पारंपरिक वेशभूषा, उनका स्थानीय लोकसंगीत, रीति-रिवाज, इस उत्सव के न केवल आकर्षण हैं बल्कि उन्होंने तमिलनाडु और दुनिया के दूसरे हिस्सों को भी अपनी ओर आकर्षित किया है। यही कारण है कि दक्षिण भारत में बड़े पैमाने पर लोग इस मौके पर यहां आकर अपनी रोजमर्रा की भाग-दौड़ भरी जिंदगी के बीच आह्लादित करते सुकून के पल महसूस करते हैं।

परंपरा-आधुनिकता का संगमः उत्सव के दौरान यहां के स्थानीय कलाकार अपनी लोक-लुभावन वेशभूषाओं में जुलूस निकालते हैं तथा तमिल लोक-जीवन की शानदार झांकी प्रस्तुत करते हैं। यह उत्सव एक साथ न केवल यहां की सांस्कृतिक उत्सवधर्मिता को प्रस्तुत करता है बल्कि आधुनिक जीवनशैली और पारंपरिक लोक संस्कृति का एक लुभावना फ्यूजन भी प्रदर्शित करता है। इसलिए येरकौड उत्सव को स्थानीय संस्कृति के संरक्षण का महत्वपूर्ण जरिया माना जाता है, क्योंकि यह नई पीढ़ी को जितनी उत्सुकता और रोमांच के साथ आकर्षित करता है, उतनी ही तीव्रता के साथ पुरानी पीढ़ी को भी इस उत्सव के साथ जोड़ता है।

मनमोहक उत्सव की अनोखी छटाः तमिल लोकसंगीत, नादस्वरम, करगट्टम और कवड़ी की पारंपरिक धुनों तथा स्थानीय नृत्य प्रस्तुतियों से यह उत्सव अलौकिक अनुभूति प्रदान करता है। शाम ढलते ही पूरा शहर लोकधुनों और अलग-अलग जगहों पर हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रमों से जीवंत हो उठता है। इस उत्सव में हिस्सा लेने आए सैलानी संतरे का स्वाद तथा फूलों की खुशबू का खूब लुत्फ उठाते हैं। लौटते वक्त विशेष रूप से यहां की मशहूर कॉफी और कालीमिर्च जैसे मसाले अपने साथ ले जाना नहीं भूलते हैं।

आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्णः येरकौड महोत्सव सिर्फ स्थानीय लोक संस्कृति का उत्सव भर नहीं है बल्कि जीवनशैली और जीवन यापन का भी संगीतमय उत्सव है। इस उत्सव में स्थानीय फलों और कृषि उत्पादों की विशेष झांकियां लगाई जाती हैं, जिससे आने वाले पर्यटकों को शुद्ध और विशिष्ट कृषि उत्पाद तो हासिल होते ही हैं, यहां के किसानों की अच्छी-खासी आय भी इस उत्सव के जरिए हो जाती है। यहां का हस्तशिल्प भी अपनी तरह की विशिष्टता के लिए जाना जाता है। विशेषकर यहां के बांस के उत्पादों को लोग खूब पसंद करते हैं। कुल मिलाकर यह प्रकृति, स्थानीय संस्कृति और सामुदायिक जीवन का साझा उत्सव है। इसमें फूलों की खुशबू के साथ लोकधुनें गूंजती हैं और पहाड़ों की ठंडी हवाओं के साथ परंपराओं की गर्माहट का आनंद भी मिलता है। *

फ्लावर शो-बोट रेसिंग का आकर्षण

येरकौड लोक उत्सव की दो और महत्वपूर्ण खासियतें हैं, जिसमें एक है फ्लावर शो और दूसरा है नौका दौड़। येरकौड उत्सव इन दोनों आयोजनों के लिए विशेष तौर पर जाना जाता है। फ्लावर शो के दौरान यहां पाए जाने वाले सैकड़ों किस्म के खुशबूदार और रंग-बिरंगे फूलों की कलात्मक सजावट पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। इस उत्सव के दौरान येरकौड झील में एक बोट रेस भी आयोजित की जाती है, जो इस उत्सव का एक विशेष आकर्षण होती है। दूर-दूर से आए पर्यटक उत्सव के दौरान नौकायन का भरपूर आनंद लेते हैं।

इस तपिश में पक्षियों को देगा राहत
थोड़ा सा दाना-थोड़ा सा पानी

इन दिनों की तपती गर्मी से हम सब इंसान ही नहीं नन्हे बेजुबान पक्षी भी बेहद बेचैन हैं। दिन के समय इनके लिए दाने-पानी को खोजना बहुत कठिन हो जाता है। इन पक्षियों की बेचैनी को कम करने के लिए हम सब उनके लिए थोड़े से दाने और पानी का इंतजाम कर उनको बड़ी राहत दे सकते हैं।

{ सरोकार / के. पी. सिंह }

तपती दोपहरी में जब धरती अंगारों की तरह दहकती है और आसमान से आग बरसती महसूस होती है, तब सबसे ज्यादा संकट, उन नन्हे परिंदों पर आता है, जिनकी चहचाहट हमारी सुबहों को जीवंत बनाती है। पानी की कुछ बूंदें और अनाज के कुछ दाने उनके लिए जीवनदायी बन सकते हैं। इसलिए अगर हम सब इन बेचैन करने वाली गर्मी के दिनों में अपने घर की छत, बालकनी या खिड़की के बाहर बने स्पेस पर एक कटोरा पानी का भरकर रख दें और उसी जगह एक मुट्ठी दाना डाल दें तो यह नन्हे परिंदों को जिंदगी की बहुत राहत देगा। यह छोटा-सा प्रयास उनके लिए सुरक्षित ठिकाना और जिंदगी का सहारा बन सकता है।

बढ़ते ताप से पक्षी होते बेहालः बीते कुछ दिनों से गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। इसके चलते हम इंसानों से भी ज्यादा शहरों की सड़कों से लेकर गांव के खुले आकाश तक पक्षियों के लिए भारी संकट पैदा हो गया है। देखने में आ रहा है कि पिछले कुछ सालों से गर्मी के दिनों में तापमान में लगातार हो रही वृद्धि, पक्षियों के प्राकृतिक जीवन चक्र को बाधित कर रहा है। पहले जहां 38 से 40 डिग्री का तापमान मई के आखिरी दिनों में हुआ करता था, वहीं अब यह अप्रैल के अंतिम सप्ताह से लेकर मई के पहले सप्ताह में होने लगा है। इन दिनों तो कई जिलों में तापमान 45 डिग्री सेंटीग्रेड को भी पार कर रहा है। जब गर्मी इतनी ज्यादा पड़ती है तो छोटे पक्षियों के लिए यह बहुत चुनौती बन जाती है। उनके लिए सुरक्षित आश्रय और दाना-पानी की जबर्दस्त किल्लत हो जाती है। पक्षियों का शरीर छोटा और बेहद संवेदनशील होता है, इससे वे तापमान में हल्के बदलाव से भी प्रभावित होते हैं। गर्मियों में जब जलस्रोत सूखने लगते हैं, तो उन्हें पानी की तलाश में दूर-दूर तक उड़ान भरनी पड़ती है। इस दौरान उनकी ऊर्जा तेजी से खत्म होती है और कई बार पानी की तलाश में ही वो हीट स्ट्रोक का शिकार हो जाते हैं।

शहरी क्षेत्रों में बड़ी समस्याः शहरी क्षेत्रों में गर्मी की स्थिति और गंभीर है। कंक्रीट के जंगलों में न तो पेड़ों की छाया बची है और न ही प्राकृतिक जलस्रोत। यही कारण है कि कबूतर, गौरैया, कौआ, मैना जैसे पक्षी भी अब पानी के लिए तरसने लगे हैं। कई रिपोर्ट्स में यह सामने आया है कि हर साल गर्मियों में उत्तर भारत से दक्षिण भारत तक हजारों पक्षी सिर्फ प्यास और अत्यधिक गर्मी के कारण दम तोड़ देते हैं। तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण लगातार पेड़ कट रहे हैं। ये पेड़ केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते बल्कि पक्षियों के लिए भोजन और आशियाना भी होते हैं। पुराने पेड़ जिनमें पक्षी पहले घोंसले बनाया करते थे, अब नहीं लगाए जा रहे हैं। सड़कों के किनारे अब इमारती लकड़ी वाले पेड़ लगाए जाते हैं, जिसका असर यह होता है कि सड़क किनारे पेड़ होने के बावजूद उसमें पक्षी अपना घोंसला नहीं बना पाते और न ही राहगीरों को उनसे कोई छाया मिलती है। यही कारण है कि शहरों में रहने वाली गौरैया और बुलबुल जैसी पक्षियों की हाल के सालों में काफी ज्यादा संख्या कम हुई है, क्योंकि पानी और आश्रय की कमी से इंसानों की तरह पक्षी भी लू का शिकार हो जाते हैं।

कर सकते हैं ये प्रयासः अत्यधिक गर्मी में नन्हे पक्षियों का शरीर, तापमान नियंत्रित नहीं कर पाता, जिससे वे गिरकर बेहोश हो जाते हैं। इसलिए अपनी जिम्मेदारी समझते हुए हम सबको गर्मियों में अपने घरों, अपने आंगनों, खेतों, छतों और मुडेरों यानी जहां भी संभव हो, एक कटोरा पानी और एक मुट्ठी दाने का इंतजाम पक्षियों के लिए जरूर करना चाहिए। इससे इनकी जान भी बचाई जा सकती है और हमें इससे नन्हे पक्षियों की जान बचाने की खुशी भी भरपूर मिलेगी। इससे कई तरह के तनाव और लाइफस्टाइल समस्याओं से हम मुक्त रहेंगे। सरकार और पर्यावरण संगठन इस संबंध में हालांकि कई तरह के प्रयास कर रहे हैं। पक्षी बचाओ जैसे अभियान लोगों को जागरूक कर रहे हैं। लेकिन यह सिर्फ सरकार और मुट्ठी भर गैर-सरकारी संगठनों के प्रयासों से नहीं होगा। जैसे ही गर्मियों में पारा 40 डिग्री के पार पहुंचता है, शहरी क्षेत्रों में 70 फीसदी जलस्रोत सूख जाते हैं। इसीलिए पिछले कई सालों से हर साल विशेषकर मई से लेकर जून तक देशभर में हजारों पक्षी हीट स्ट्रोक या लू से मरते पाए गए हैं। ऐसे में हम अगर अपने घर के आस-पास या कहीं भी मिट्टी के एक बर्तन में हर रोज थोड़ा पानी भरकर रख दें और उसी के आस-पास ज्वार, बाजरा और चावल जैसे कुछ दाने भी डाल दें, तो इस छोटे से प्रयास से हर साल हजारों पक्षियों की जान बचाई जा सकती है। *

गर्मी में देंगे ठंडा एहसास
ये देसी कोल्ड ड्रिंक

देश के विभिन्न हिस्सों में गर्मी से राहत पाने के लिए अलग-अलग तरह के ड्रिंक्स पीने-पिलाने का चलन है। ये देसी कोल्ड-ड्रिंक्स, टेस्टी ही नहीं हेल्दी भी होते हैं। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

{ सीजनल डाइट
शिखर चंद जैन }

अकसर हेल्थ एक्सपर्ट्स कार्बोनेटेड कोल्ड ड्रिंक न पीने की हिदायत देते हैं। लेकिन चिंता न करें, गर्मी और उमस से राहत पाने के लिए कई तरह के देसी ठंडे पेय आप पी सकते हैं, जो न केवल प्यास बुझाते हैं बल्कि शरीर को अंदर से ठंडा रखने में भी मदद करते हैं। दरअसल, बाजार में मिलने वाले कोल्ड ड्रिंक में अत्यधिक शुगर (चीनी), कैफीन और हानिकारक केमिकल होते हैं, जो वजन बढ़ाते हैं और डिहाइड्रेशन का कारण बन सकते हैं। इनके ज्यादा सेवन से हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसके विपरीत, प्राकृतिक पोषक तत्वों से भरपूर देसी ड्रिंक्स शरीर को ताजगी देते हैं और इनका शरीर पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।

लस्सी

लस्सीः गर्मी के दिनों में लस्सी तो हम सब के घरों में बनती ही रहती है। इसे बनाने में न कोई झंझट है ना ज्यादा समय ही लगता है। बस अच्छी क्वालिटी के दही में चीनी मिला लें। या फिर भुना-पिसा जीरा और काला नमक मिलाकर पी लीजिए। यह शरीर को तुरंत ठंडक प्रदान करता है।

जलजीराः जीरा, पुदीना, इमली और नीबू रस के मिश्रण से तैयार यह चटपटा पेय पाचन को सुधारता है और शरीर को ठंडा रखता है। आप चाहें तो अच्छी कंपनी का जलजीरा पावडर लाकर उसमें पुदीना, नीबू का रस मिलाकर पी सकते हैं।

आम पन्नाः इन दिनों मार्केट में कैरी (कच्चा आम) भरपूर मिल रही है। कैरी को भून कर मसल लीजिए और छान कर उस पानी में हल्की-सी चीनी, जीरा और काला नमक मिला लीजिए। यह पेय लू से बचाने में रामबाण माना जाता है।

आम पन्ना

ठंडाईः दूध, सूखे मेवे और केसर से भरपूर यह ड्रिंक विशेषकर होली के समय और गर्मियों में ताजगी के लिए पी जाती है। यह शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ पौष्टिक भी होता है।

बेल का शरबतः पके हुए बेल के गूदे से बना यह शरबत एक बेहतरीन ठंडा पेय है और पाचन में सहायक होता है। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा और मध्य प्रदेश में इसका खूब सेवन किया जाता है।

सत्तू शरबतः भुने हुए चने के आटे (सत्तू), नीबू, पानी और नमक से बना यह पेय पौष्टिक होने के साथ-साथ पेट को ठंडा और शरीर को ऊर्जावान रखता है। यह मुख्य रूप से बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में प्रचलित है।

सत्तू शरबत

गोंधोराज घोलः यह पश्चिम बंगाल की खास छाछ है, जिसमें सुगंधित 'गोंधोराज' नामक विशेष तरह के नीबू के रस का उपयोग किया जाता है।

नीरू मज्जिगा (नीर मोर): यह पेय मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक में पिया जाता है। यह एक ठंडी छाछ है, जिसे मसाले, करी पत्ते और अदरक मिलाकर तैयार किया जाता है।

जिगरठंडाः दूध, गोंद कतीरा और नन्नारी सिरप से बना यह पेय शरीर की गर्मी को कम करने के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। खासतौर से यह तमिलनाडु के मदुरै और उसके आस-पास के इलाकों में अधिक प्रचलित है।

पनाकमः तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में गुड़, सोंठ और इलायची से बना यह पारंपरिक पेय, त्योहारों पर विशेष रूप से बनाया जाता है और गर्मी के मौसम में राहत पाने के लिए उत्तम माना जाता है।

रागी अंबालीः कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में प्रचलित यह पेय पोषण से भरपूर और शरीर को शीतलता देने वाला होता है। यह रागी (एक प्रकार का मोटा अनाज) से बना होता है। *

रागी अंबाली

'इंडियाज बेस्ट डांसर 4' और 'नच बलिए 4' जैसे रियलिटी शोज को जज कर चुकीं करिश्मा कपूर 'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में भी बतौर जज नजर आएंगी। डांसिंग जज के रूप में वह कैसा महसूस करती हैं? इस शो के पांचवें सीजन में इस बार क्या खास है? भविष्य में एक्टिंग को लेकर उनकी क्या प्लानिंग है? ऐसे ही कई सवालों के जवाब दिए करिश्मा कपूर ने इस बातचीत में।

इंडियाज बेस्ट डांसर की जज बनकर मुझे बहुत मजा आ रहा हैः करिश्मा कपूर

{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

अपने दौर की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार करिश्मा कपूर ने शादी के बाद कुछ समय के लिए अभिनय से संन्यास ले लिया था और वह पूरी तरह घर-परिवार की जिम्मेदारियों में व्यस्त हो गई थीं। लेकिन आज हालात अलग हैं, उनके बच्चे बड़े हो चुके हैं। एक बार फिर वे एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक्टिव हो गई हैं। जल्द ही करिश्मा, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होने वाले डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में बतौर जज नजर आएंगी। इस शो और करियर से जुड़े सवाल करिश्मा कपूर से।

आप एक बार फिर 'इंडियाज बेस्ट डांसर' सीजन 5 में बतौर जज आएंगी। इस बार इस शो में आपको किस बात ने आकर्षित किया?

इस बार इस सीजन का थीम 'इंडिया वाला डांस' है। जिसका मतलब है इंडिविजुएलिटी और सेल्फ एक्सप्रेशन, यह अपनी यूनिक शैली को अपनाने, खुद पर कॉन्फिडेंस रखने और एकदम अलग दिखने से ना डरने के बारे में है। कहने का मतलब यह है कि जब प्रतियोगी सच में अपनी कला के जरिए अपनी पहचान से जुड़ते हैं, तभी उनकी परफॉर्मेंस यादगार साबित होती है। 'इंडिया वाला डांस' की इसी सोच से इंप्रेस होकर मैं एक बार फिर इस शो से जुड़ी।

बॉलीवुड के कई सुपरहिट गानों का आप हिस्सा रही हैं। 'दिल तो पागल है' में माधुरी दीक्षित के साथ आईकॉनिक डांस, गोविंदा के साथ कई डांस नंबर्स, आज भी दर्शकों के जेहन में जिंदा हैं। ऐसे में जब इस शो में आपके डांस वाले गानों पर पार्टिसिपेंट्स परफॉर्म करते हैं तो उस समय आपका क्या रिएक्शन होता है?

'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में को-जजेज के साथ करिश्मा कपूर

(मुस्कुराते हुए) पुरानी यादें ताजा हो जाती हैं। बहुत खुशी होती है जब अपने डांस नंबर पर किसी को ठुमके लगाते हुए देखती हूं। मेरी फिल्मी जर्नी में डांस का अहम हिस्सा रहा है। 'इंडियाज बेस्ट डांसर' में मेरे गाने पर किया गया हर परफॉर्मेंस मुझे उन पलों की याद दिलाता है। जब पार्टिसिपेंट्स को मैं पूरी शिद्दत के साथ अपने गानों पर डांस करते हुए देखती हूं तो मुझे बहुत खुशी होती है। उनका हार्ड वर्क और डेडिकेशन इंस्पायरिंग लगता है।

आप फिल्मी बैकग्राउंड से हैं, जहां कहानी कहने में डांस ने अहम भूमिका निभाई है। ऐसे में जजिंग पैनल में आपको डांस का कौन-सा साइड अनोखा लगता है, जिसमें आप प्रतियोगी को जज करती हैं?

मेरी पूरी लाइफ फिल्मों में बीती है। 16 साल की उम्र से मैंने एक्टिंग शुरू कर दी थी। इस दौरान मैंने हमेशा डांस को एक पॉवरफुल आस्पेक्ट के रूप में देखा है। डांस न सिर्फ फीलिंग्स को एक्सप्रेस करता है बल्कि यह कहानी कहने की भी ताकत रखता है। यह शो सिर्फ डांसिंग स्टेप्स के बारे में नहीं है, बल्कि इमोशन एक्सप्रेशन और दर्शकों से जुड़ने के बारे में भी है। मैं यही नजरिया बतौर जज लाना चाहती हूं। मैं ऐसी परफॉर्मेंस देखना चाहती हूं, जो टेक्निकली सही हो, इमोशन से भरपूर और सहज हो। ऐसी परफॉर्मेंस जो दर्शकों के दिलों पर गहरा असर छोड़े।

'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में आपके साथ गीता कपूर, जावेद जाफरी और टेरेंस लुईस भी बतौर जज आ रहे हैं। उनके साथ आपका तालमेल कैसा है?

बहुत ही अच्छा है। शो की जजिंग के अलावा भी हम आपस में मजाक मस्ती करते रहते हैं। गीता जहां मस्तीखोर है, वहीं जावेद जाफरी का सेंस ऑफ ह्यूमर बहुत अच्छा है। इन सभी जजेज के साथ शो का हिस्सा बनने का अनुभव मजेदार है।

'इंडियाज बेस्ट डांसर' देश भर के उभरते कलाकारों के लिए एक अहम प्लेटफॉर्म बन चुका है। ऐसे में जो डांसर इस शो में भाग लेना चाहते हैं, ऐसे कंटेस्टेंट्स को आप क्या मैसेज देना चाहेंगी?

उनसे मैं यही कहना चाहूंगी कि अपने ऊपर विश्वास रखें, खुद के प्रति सच्चे रहें, कुछ ना कुछ नया सीखने की कोशिश करें, चुनौतियों का सामना करें, कभी निराश ना हों और ना ही हार मानें। एक दिन आपकी मेहनत जरूर रंग लाएगी। आपका टैलेंट आपको सब में अलग और अच्छा दिखाएगा। ऐसे लोगों का इस शो में स्वागत है। ये मंच ऐसे ही लोगों के लिए बना है, जहां आकर वह अपना डांसिंग टैलेंट पेश कर सकते हैं।

क्या आपके बच्चों को भी डांस और एक्टिंग में इंटरेस्ट है?

इस बारे में अभी तो मैं कुछ कह नहीं सकती, क्योंकि मेरे दोनों ही बच्चे फिलहाल पढ़ाई कर रहे हैं। भविष्य में वे कौन-सा करियर चुनते हैं, यह अभी से कहना मुश्किल है। *

मैं फिल्मों में भी काम करने के लिए तैयार हूं बशर्ते...

टीवी शोज के अलावा फिल्मों और वेब सीरीज में एक्टिंग को लेकर क्या प्लानिंग है, इस बारे में पूछने पर करिश्मा बताती हैं, 'फिल्म हो, ओटीटी हो या टीवी, मुझे हर जगह काम करने में कोई प्रॉब्लम नहीं है। बस मैं जो भी काम करूं वह अच्छा होना चाहिए। जैसे मैंने कुछ सालों पहले 'मेंटल हुड' और 'मर्डर मुबारक' वेब सीरीज की थी। फिलहाल मैं अभिनव देव के निर्देशन में 'ब्राउन' सीरीज कर रही हूं। फिल्मों में भी काम करने के लिए मैं तैयार हूं बशर्ते उसमें मेरा रोल मीनिंगफुल और दमदार होना चाहिए।'